हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 10, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 24 जून, 2021 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

जम्मू कश्मीर पर पीएम मोदी के आमंत्रण पर सर्वदलीय बैठक आज

राज्य में 48 घंटे का अलर्ट, इंटरनेट सेवा सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर गुरुवार को यहां जम्मू कश्मीर पर सर्वदलीय बैठक का आयोजन होगा। जम्मू कश्मीर के गुपकार गठबंधन में शामिल सभी दलों एवं कांग्रेस ने इसमें शामिल होने की स्वीकृति दे दी है। हालांकि कांग्रेस का कहना है कि बैठक के न्योते के साथ इसका एजेंडा भी साथ में होता तो बेहतर होता। उधर, आर्तकियों की हरकतों को देखते हुए सुरक्षा बलों के लिए जम्मू कश्मीर मे 48 घंटे का हाई अलर्ट का एलान किया गया है। 24 को इंटरनेट सेवा को सस्पेंड किया जा सकता है।

पुराने एजेंडे के साथ पीएम से वार्ता करने दिल्ली जाएगा गुपकार गठबंधन- पीपुल्स एलायंस फार गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) के घटक नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी सरीखे संगठन पांच अगस्त 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति की बहाली और देश की विभिन्न जेलों में बंद कश्मीरी बंदियों की तत्काल रिहाई का मुद्दा उठाएंगे। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने तो एक कदम और आगे बढ़ते हुए केंद्र से पाकिस्तान के साथ भी वार्ता की प्रक्रिया शुरू करने की मांग कर डाली। इस एजेंडे के अलावा नेकां, पीडीपी, माकपा अपने दल की नीतियों के मुताबिक भी पक्ष रखेंगे, क्योंकि सभी को अलग-अलग न्योता मिला है। ऐसा इसलिए कि गतिरोध बने रहने की स्थिति में ठीकरा केंद्र के सिर फोड़ सकें और अगर बात बनती है तो श्रेय ले सकें। पीएजीडी नेताओं का कहना

है कि अगर बैठक में बात कश्मीर के लोगों के हित में होगी तो मानी जाएगी, वरना हम सीधे इन्कार कर देंगे। वहीं, जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के चेयरमैन सैयद अल्ताफ बुखारी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निवास पर 24 जून को होने वाली बैठक में शामिल होंगे। सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेने के लिए जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष रविंदर रैना और पार्टी नेता तथा पूर्व डिप्टी सीएम कविंदर गुप्ता जम्मू से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेने के लिए अपने आवास से दिल्ली के लिए रवाना हो गई हैं। सरी ओर कांग्रेस भी प्रधानमंत्री के साथ बैठक में भाग लेने को तैयार हो गई है। यह फैसला पार्टी हाईकमान ने दिल्ली में लिया है। दिल्ली में हुई बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी ने की, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी मौजूद थे। जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक माहौल बनाने और विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निवास पर होने वाली बैठक के लिए प्रदेश के मुख्यधारा के सभी दलों को न्योता दिया गया है। इसमें पीएजीडी को नहीं बुलाया गया है, लेकिन नेकां, पीडीपी और माकपा तीनों ही इसके प्रमुख घटक हैं। मंगलवार को डा. फारूक अब्दुल्ला के निवास पर लगभग एक घंटे तक जारी रही इस बैठक में महबूबा के अलावा उमर अब्दुल्ला, अवामी नेशनल कांफ्रेंस के मुजफ्फर अहमद शाह, पीपुल्स मूवमेंट के जावेद मुस्तफा मीर और माकपा के मोहम्मद यूसुफ तारीगामी ने भाग लिया और अपनी-अपनी राय रखी।

हर मुद्दे पर बात होगी- बैठक के बाद डा. फारूक ने कहा कि हम कभी भी बातचीत के खिलाफ नहीं रहे। दिल्ली ने बातचीत का कोई एजेंडा नहीं बताया है, इसलिए हर मुद्दे पर बात होगी। कश्मीर मुद्दे पर हमारा स्टैंड सभी को पता है, पीएजीडी का एजेंडा सभी को पता है, उस पर कोई समझौता नहीं होगा। इसके अलावा हम सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई और देश की विभिन्न हिस्सों में जेलों में बंद सभी कश्मीरी कैदियों को वापस जम्मू-कश्मीर की जेलों में स्थानांतरित करने पर जोर देंगे।

मायावती ने किया जम्मू-कश्मीर को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाए जाने का स्वागत

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जम्मू-कश्मीर के संबंध में बृहस्पतिवार को वहां के नेताओं के साथ बैठक बुलाए जाने के कदम का स्वागत किया है। मायावती ने बुधवार को सिलसिलेवार ट्वीट में कहा जम्मू-कश्मीर के मामलों पर चर्चा के लिए वहां के 14 नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 24 जून को बुलाई गई बैठक उचित पहल है। ऐसी आशा है कि करीब दो वर्ष के अन्तराल के बाद की जा रही यह बैठक कुछ ठोस फैसलों के साथ सार्थक सिद्ध होगी और जम्मू-कश्मीर राज्य की पुनर्बहाली के लिए भी मददगार साबित होगी। उन्होंने एक अन्य ट्वीट किया, साथ ही, जम्मू-कश्मीर विधानसभा सीटों के लिए जारी परिसीमन के नए काम की यथाशीघ्र समाप्ति और वहां आम चुनाव आदि ऐसे मुद्दे हैं जिन पर देश की निगाहें लगी हुई हैं। केन्द्र को अपने वादे एवं दावे के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में स्थिति को जल्द बहाल करने का प्रयास तेज करना चाहिए। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 24 जून को दिल्ली में जम्मू- कश्मीर के नेताओं के साथ सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

मास्क से लापरवाही पड़ सकती है भारी वैक्सीन ले चुके लोग भी हो रहे संक्रमित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना की दूसरी लहर में भले ही संक्रमण के मामले कम होने लगे हैं, लेकिन साथ ही तीसरी लहर का खतरा भी मंडराने लगा है। इसलिए मास्क, सुरक्षित शारीरिक दूरी और टीकाकरण, तीनों ही चीजें कोरोना से बचाव के लिए बहुत अहम हैं। जब तक देश में वैक्सीन नहीं आई थी, तब तक मास्क को ही 'वैक्सीन' माना जा रहा था और अब जब वैक्सीन आ गई है और बड़ी संख्या में लोगों का टीकाकरण हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद भी लोग संक्रमित हो रहे हैं और वैसे लोग भी जो वैक्सीन लगवा चुके हैं। हालांकि इसको लेकर विशेषज्ञ बहुत पहले से कहते आ रहे हैं कि वैक्सीन संक्रमण से 100 फीसदी सुरक्षा तो नहीं दे सकती है, लेकिन गंभीर रूप से बीमार होने से जरूर बचा सकती है। ऐसे में पूरी तरह सुरक्षा पाने के लिए वैक्सीन के साथ-साथ मास्क लगाना भी जरूरी है। ऐसा इसलिए, क्योंकि पिछले हफ्ते ही इस्त्रायल ने मास्क पहनने से छूट देने वाला पहला देश होने का दावा किया था, जिसका नतीजा ये देखने को मिल रहा है कि अब वहां वैक्सीन ले चुके लोग भी संक्रमित होने लगे हैं। दरअसल, इस्त्रायल अपनी आधी से अधिक आबादी का टीकाकरण कर चुका है। इसी को मद्देनजर रखते हुए वहां लोगों मास्क लगाने से छूट दे दी गई, लेकिन इसके बाद अचानक से वहां संक्रमण के मामलों में वृद्धि देखने को मिल रही है। कहा जा रहा है कि कोरोना का खतरनाक डेल्टा वैरिएंट वैक्सीन ले चुके लोगों को

भी तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है। अगर भारत की बात करें तो यहां बिना वैक्सीन लगवाए लोग भी आराम से बिना किसी डर के घूम-फिर रहे हैं। ऐसे में यह लापरवाही भारी पड़ सकती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि जब तक देश में 100 फीसदी आबादी का टीकाकरण नहीं हो जाता है, तब तक मास्क पहनना और सुरक्षित शारीरिक दूरी रखने जैसे नियमों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। टीकाकरण के बाद भी मास्क जरूरी है। इससे आपका भी बचाव होगा और दूसरों का भी। विशेषज्ञ कहते हैं कि कोरोना से बचाव के लिए सबसे सुरक्षित एन-95 मास्क को माना गया है। अगर आपने एन-95 मास्क लगाया है तो 95 फीसदी तक सुरक्षा मिल सकती है। इसके अलावा सर्जिकल मास्क को भी काफी अच्छा माना जाता है, लेकिन भारत में चूंकि ज्यादातर लोग ढीला मास्क पहनते हैं या उससे नाक को न ढक कर सिर्फ मुंह को ढकते हैं, ऐसे में वायरस के शरीर में प्रवेश करने का खतरा रहता है। इसलिए मास्क पहनें तो सही से पहनें। आप कॉटन का मास्क भी पहन सकते हैं, लेकिन इसकी सुरक्षा कम है, इसलिए डबल मास्किंग की सलाह दी जाती है।

वैक्सीन ही सुरक्षा कवच, सीएम योगी का निर्देश- लक्ष्य के सापेक्ष करें तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर तो नियंत्रण में आ गई, लेकिन अब तीसरी लहर की आशंका ने चिंता बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश सरकार भी इसे गंभीरता से ले रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यस्तरीय स्वास्थ्य परामर्श समिति की रिपोर्ट के अनुसार तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संक्रमण बचाव ही उपचार है। इसके लिए पूरे प्रदेश में टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। जून माह के लिए प्रदेश ने एक करोड़ वैक्सीनेशन के लक्ष्य तय किया है, अब तक 89 लाख से अधिक डोज लगाए जा चुके हैं। निर्देश दिया कि एक जुलाई से हर दिन 10 से 12 लाख वैक्सीन लगाने के लक्ष्य के सापेक्ष तैयारी की जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कोरोना महामारी से बचाव व इलाज के संबंध में बुलाई गई उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि लगातार कोशिशों से उत्तर प्रदेश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर की स्थिति नियंत्रण में है। संक्रमण दर न्यूनतम स्थिति में है। वर्तमान में 3,666 कोरोना मरीज उपचाराधीन हैं। प्रदेश में कोरोना से स्वस्थ हुए लोगों की संख्या 16 लाख 78

हजार 788 हो चुकी है। प्रदेश की कोविड रिकवरी दर 98.5 फीसद हो गई है, जबकि पॉजिटिविटी दर 0.1 फीसद है। प्रदेश में अब तक पांच करोड़ 59 लाख 99 हजार 840 टेस्ट हो चुके हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ को जानकारी दी गई कि पिछले 24 घंटे में प्रदेश में दो लाख 69 हजार 472 कोविड टेस्ट किए गए। इसी अवधि में संक्रमण के 208 नए मामले आये हैं, जबकि 302 मरीज उपचारित होकर स्वस्थ हुए हैं। 2,205 लोग होम आइसोलेशन में हैं। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि एक जुलाई से हर दिन 10 से 12 लाख वैक्सीन लगाने के लक्ष्य के सापेक्ष तैयारी की जाए। उन्होंने कहा कि मंगलवार को आठ लाख से अधिक वैक्सीनेशन में पांच लाख 32 हजार से अधिक लोग 18 से 44 आयु वर्ग के हैं। वैक्सीनेशन का यह उत्साह सतत बना रहे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टीकाकरण के लिए ब्लॉक को आधार बनाकर गांवों में वैक्सीनेशन को तेज करने का पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है। अब तक के इसके परिणाम अच्छे हैं। एक जुलाई से क्लस्टर आधारित इस कार्ययोजना को सभी जिलों में लागू किया जाए।

भारतीय मूल की किरण आहूजा ने बढ़ाया भारत का मान कमला हैरिस के वोट ने बाइडन को किया चिंता मुक्त

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल की किरण आहूजा को आफिस आफ पर्सनल मैनेजमेंट प्रमुख के पद पर नियुक्ति को सीनेट ने मंजूरी दे दी है। उनकी नियुक्ति के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को वोटिंग में भाग लेना पड़ा। किरण आहूजा को राष्ट्रपति जो बाइडन ने नामित किया था। किरण आहूजा की नियुक्ति के लिए सीनेट की मंजूरी दिए जाने के दौरान वोटिंग में समर्थन और विरोध में बराबरी

पर पचास-पचास वोट आए। इससे यह मामला पेचीदा हो गया। किसी भी मामले में बराबरी की स्थिति में निर्णायक वोट उपराष्ट्रपति का होता है। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपना वोट किरण आहूजा के समर्थन में देते हुए उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ कर दिया। बता दें अमेरिका के बाइडन प्रशासन में लगातार भारतीय मूल के लोगों का दबदबा है। बाइडन प्रशासन में कई भारतीयों को अब तक अहम जगहों पर तैनात किया जा चुका है। अब बाइडन ने एक और भारतवंशी को कार्मिक प्रबंधन कार्यालय का प्रमुख बनाया गया है। किरण आहूजा एक वकील के साथ-साथ एक मानवाधिकार कार्यकर्ता भी हैं। वह अमेरिका के बीस लाख सिविल सेवा अधिकारियों के प्रबंधन के मामलों को देखेंगी। वह इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी महिला बन गईं। जाएंगी। वह पूर्व राष्ट्रपति ओबामा प्रशासन में किरण अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। करीब छह वर्षों तक वो एक योजना में कार्यकारी निदेशक थीं।

आशा ट्रस्ट दारा "कोरोना योद्धा सम्मान पत्र" और 'मेडिकल किट' देकर ग्रामीण चिकित्सकों को सम्मानित किया गया

प्रखर वाराणसी। कोरोना संकट के दौरान उल्लेखनीय सेवा प्रदान करने वाले ग्रामीण चिकित्सकों को चिन्हित करके सामाजिक संस्था 'आशा ट्रस्ट' द्वारा "कोरोना योद्धा सम्मान" से सम्मानित किये जाने का निर्णय लिया है. इस क्रम में मंगलवार को राजातालाब कस्बे में स्थित एक लॉन में ट्रस्ट द्वारा मनरेगा मजदूर यूनियन द्वारा चयनित किये गये क्षेत्र के 40 चिकित्सकों को सम्मानित किया गया. सम्मान पत्र के साथ ही उन्हें एक 'स्वास्थ्य रक्षक किट' भी प्रदान की गयी जिसमे आक्सीमीटर, थर्मामीटर, थर्मल स्कैनर, वेपोराइजर, फेस शील्ड, दस्ताना, मास्क, उपयोगी दवाएं आदि है जिसका चिकित्सा के दौरान प्रयोग किया जा सके.

इस अवसर पर कार्यक्रम का संयोजन कर रहे मनरेगा मजदूर यूनियन के संयोजक सुरेश राठोर ने कहा कोरोना संकट की दूसरी लहर के दौरान गाँव गाँव में चिकित्सा सेवा से जुड़े लोगों का बहुत ही सराहनीय और उल्लखनीय योगदान रहा, जब सरकारी अस्पतालों और बड़े अस्पतालों में बेड और आक्सीजन के लिए हाहाकार मचा हुआ था उस समय दूर दराज गाँवों

में चिकित्सकजन ने बड़े ही जिम्मेदारी से पीड़ित और संक्रमित लोगों को चिकित्सा सुलभ कराइ. इन चिकित्सको के पास प्रायः बड़ी डिग्री नही होती लेकिन इनका विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज करने का अनुभव कही बहुत ज्यादा है और यही कारण था कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान इन चिकित्सकों ने ग्रामीण क्षेत्र में हजारों लोगों की जान बचाई. इस अवसर पर मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि महेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में सेवा कर रहे निजी चिकित्सकों ने महामारी के दौर में मानवता की सेवा की मिसाल कायम की है, उन्हें प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता है, इससे उनमे भविष्य में और बेहतर सेवा करने का आत्मविश्वास जगेगा. आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने कहा ग्रामीण चिकित्सकों को आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण दिए जाने की जरूरत है जिससे भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वे और अच्छी सेवा दे सकें. उन्होंने कहा कि देश में सभी को बेहतर स्वास्थ्य के अधिकार के लिए जन आंदोलन की आवश्यकता है, जिसमे प्रति 1000 की आबादी पर न्यूनतम आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग हो।

सुप्रीम कोर्ट में बाबा रामदेव की अर्जी, एलोपैथी पर बयान के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर रोक की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। योग गुरु बाबा रामदेव ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर अपने खिलाफ दर्ज तमाम एफआईआर की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। एलोपैथी चिकित्सा और डॉक्टरों को लेकर उनकी ओर से दिए गए विवादित बयानों

को लेकर बीते कुछ दिनों में योग गुरु के खिलाफ कई केस दायर किए गए हैं। अपनी अर्जी में बाबा रामदेव ने मांग की है कि आईएमए की ओर से उनके खिलाफ कराई गई एफआईआर की कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। रामदेव के खिलाफ आईएमए की पटना और रायपुर यूनिट की ओर से केस दायर किए गए हैं। बाबा रामदेव ने इन दोनों ही एफआईआर को दिल्ली ट्रांसफर किए जाने की मांग की है। रायपुर पुलिस ने बाबा रामदेव के खिलाफ एलोपैथी चिकित्सा पद्धति और दवाओं को लेकर गलत जानकारी फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। बीते सप्ताह बुधवार को पुलिस ने यह केस दर्ज किया था। इस एफआईआर को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की छत्तीसगढ़ यूनिट ने दर्ज कराया है। योग गुरु के खिलाफ महामारी को लेकर लापरवाही बरतने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट, 2005 के तहत भी उनके केस फाइल किया गया है। बाबा रामदेव का पिछले दिनों एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह कथित तौर पर डॉक्टरों पर तंज कसते दिख रहे हैं। इसके बाद से ही इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और योग गुरु के बीच जुबानी जंग तेज हो गई थी।

विवाद : दिलीप घोष का नुसरत जहां पर हमला, कहा- सिंदूर लगाकर भारतीय संस्कृति को कर रही हैं शर्मसार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष दिलीप घोष ने तृणमूल कांग्रेस की सांसद और प्रसिद्ध अभिनेत्री नुसरत जहां पर एक बार फिर हमला बोला है। घोष की यह टिप्पणी नुसरत जहां की निखिल जैन के साथ शादी पर हो रहे विवाद के बीच आई है। दिलीप घोष ने कहा कि नुसरत जहां सिंदूर लगाकर भारतीय संस्कृति को शर्मसार करने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नुसरत ने शादी करने के बाद सार्वजनिक रूप से बहुभोज किया था और उसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी आमंत्रित किया गया था लेकिन अब कह रही हैं कि उनकी शादी ही नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यह टीएमसी की विचारधारा हो सकती है न कि भारत या बंगाल की विचारधारा। पार्टी से नुसरत को तुरंत निलंबित करना चाहिए या उन्हें पद से इस्तीफा देना चाहिए। बंगाल भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वह 'कैसी धोखेबाज हैं। एक महिला जिसे तृणमूल कांग्रेस से टिकट मिला, वह शपथ लेती हैं, और अब कह रही हैं कि वह विवाहित ही नहीं हैं। फिर भी, उन्होंने सिंदूर लगाया,

रथ खींचा, पूजा की और चुनाव जीतीं।' बता दें कि साल 2019 में नुसरत और निखिन जैन कोलकाता में इस्कॉन की ओर से आयोजित रथ यात्रा कार्यक्रम में एक साथ शामिल हुए थे। उल्लेखनीय है कि नुसरत जहां ने एक बयान जारी कर दावा किया था कि कारोबारी निखिल जैन के साथ उनकी शादी वैध नहीं है बल्कि एक लिव-इन रिलेशनशिप है। वहीं, निखिल जैन ने आरोप लगाया है कि उन्होंने कई बार शादी का पंजीकरण कराने की बात कही थी, लेकिन नुसरत ने हर बार इससे इनकार कर दिया। जैन ने दावा किया कि नुसरत का उनके प्रति व्यवहार अगस्त 2020 से बदलने लगा था जब वह एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं। जैन ने कहा कि नुसरत ने नवंबर में घर छोड़ दिया था और तब से दोनों अलग-अलग ही रह रहे हैं। नुसरत जहां ने सात 2019 में तुर्की में निखिल जैन से शादी की थी, जिसमें चुनिंदा लोग शरीक हुए थे। इसी साल हुए लोकसभा चुनाव में टीएमसी के टिकट पर जीत हासिल करने वाली जहां ने बाद में कोलकाता के पांच सितारा होटल में भव्य विवाह समारोह का आयोजन किया था, जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शरीक हुए थे।

तालाब में डूबने से 3 बच्चों की दर्दनाक मौत, परिवार में कोहराम

प्रखर जौनपुर। सरपतहां थाना क्षेत्र के जहरूद्दीनपुर गांव में तालाब में नहाते समय तीन मासूम बच्चो की डूबने से मौत हो गयी। देर शाम तीनो शव तलाब में मिलने से कोहराम मच गया। तीनों बच्चो के परिवारो समेत पूरे गांव में मातम होने लगा, उधर आक्रोशित जनता सड़क को जाम करके प्रर्दशन शुरू कर दी। सूचना मिलते ही एसडीएम शाहगंज और सीओ भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर अक्रोशित लोगो को समझा बुझाकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजने के बाद मामले की जांच में जुट गयी है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त गांव के निवासी दारा सिंह मछली पालन के लिए तलाब खुदवाया था।

आज उस तलाब में देर शाम गांव के दिनेश गुप्ता का नौ वर्षीय पुत्र वीर गुप्ता, पंचम का 10 साल का पुत्र रंजीत कुमार और सूरज का 12 वर्ष पुत्र समीर का शव उतराया मिला। तीन मासूम बच्चो को शव मिलने से सनसनी फैल गयी।

हनुमान को नहीं मिला भगवान राम का साथ, चिराग बोले- बचाना चाहिए था

पटना (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) में नेतृत्व को लेकर चाचा और भतीजे के बीच में चल रहा विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। इसी बीच चिराग पासवान ने अपनी सहयोगी पार्टी भाजपा के रवैये पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को बचाने आना चाहिए था। बिहार चुनाव के दौरान खुद पीएम मोदी के 'हनुमान' के तौर पर पेश करने वाले चिराग ने कहा कि अगर हनुमान को मारा जा रहा हो और भगवान श्रीराम उन्हें बचाने के लिए न आएं तो ऐसे में हनुमान या फिर भगवान राम का क्या महत्व है। लोजपा में टूट के लिए चिराग पासवान लगातार जदयू को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका कहना है कि नीतीश कुमार ने साजिश के तहत उनकी पार्टी को तोड़ने का काम किया है। हालांकि इस मामले में नीतीश कुमार का बयान सामने आया है। लेकिन उन्होंने चिराग के बारे में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह उनका अंदरूनी मामला है।

चिंतन मनन

वैक्सीन का रिकॉर्ड

देश में कोरोना के टीकों को लेकर उठ रहे संशय और खुराक की कमी पर उठाए जा रहे सवालों का जवाब अब मिल गया है। नई गाइडलाइंस के मुताबिक वैक्सीनेशन शुरू होने के पहले दिन अब तक के सारे रिकॉर्ड टूट गए। सोमवार को 85 लाख से ज्यादा लोगों को टीका लगाया गया। अब तक 85.15 लाख लोगों को वैक्सीन लगाई गई है। इससे पहले 5 अप्रैल को 43 लाख से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाई गई थी। रिकॉर्ड लोगों को वैक्सीन लगने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह रिकॉर्ड तोड़ वैक्सीनेशन खुश करने वाला है। कोरोना से लड? के लिए वैक्सीन हमारा सबसे मजबूत हथियार बना हुआ है। उन सभी को बधाई जिन्होंने टीका लगवाया। सभी फ्रंटलाइन वॉरियर्स को बधाई जिन्होंने सुनिश्चित किया कि इतने सारे लोगों को टीका लगे। वेल डन इंडिया। सोमवार को सबसे ज्यादा वैक्सीनेशन मध्य प्रदेश में हुआ है। यहां 16.70 लाख लोगों को टीका लगाया गया। यह किसी भी राज्य में एक दिन में सबसे ज्यादा वैक्सीनेशन का रिकॉर्ड है। इसके अलावा कर्नाटक में 11.11 लाख और यूपी में 7.16 लाख लोगों ने वैक्सीन लगवाई। दिल्ली में यह संख्या महज 76,282 रही। देश में सोमवार को जितने लोगों को टीका लगाया गया, उससे कम कम आबादी वाले दुनिया में 134 देश हैं। इनमें हांगकांग, सिंगापुर, न्यूजीलैंड, कुवैत, नार्वे और फिनलैंड जैसे देश शामिल हैं। भारत में एक दिन में इजराइल और स्विटजरलैंड की आबादी के लगभग लोगों को टीका लगाया गया है। इस मामले में हमने अमेरिका को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। अमेरिका में अब तक एक दिन में 40 लाख लोगों को टीका लगा है। यह रिकॉर्ड 4 अप्रैल को दर्ज हुआ था। ऑस्ट्रेलिया में अब तक कुल 6.87 लाख डोज लगे हैं। इससे करीब डेढ़ गुना भारत में एक दिन में ही लगा दिए गए। उधर, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि देश में अब तक 28.33 करोड़ लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगाई जा चुकी है। इनमें 23.27 करोड़ से ज्यादा को पहला और 5.05 करोड़ को दूसरा डोज लग चुका है। नई गाइडलाइंस के मुताबिक, अब 18 साल से ज्यादा उम्र के हर नागरिक को केंद्र सरकार की ओर से मुफ्त वैक्सीन लगाई जा रही है। देश में 16 जनवरी से वैक्सीनेशन की शुरूआत की गई थी। इससे पहले टीकाकरण को लेकर निराशाजनक खबरें अक्सर सुनने-देखने को मिलती रहती थीं। जैसे टीकों की कमी, टीका लगवाने से लोगों का बचना, टीके को लेकर लोगों में फैला डर, भ्रांतियां और अंधविश्वास, सरकारी स्तर पर अभियान को लेकर उदासीनता आदि। इसी को देखते हुए टीकाकरण की कमान केंद्र ने अपने हाथ में ली। टीकों का संकट शुरू से ही है। फिर समय-समय पर इसका दायरा भी बढ़ाया जाता रहा। इससे हुआ यह कि टीका लगवाने वालों की तादाद बढ़ती गई, पर उसके हिसाब से टीके नहीं मिल पाए। इससे कई राज्यों में टीके लगाने का काम ठंडा पड़ गया। राज्य टीकों की मांग करते रहे। दूसरी ओर केंद्र सरकार दावा करती रही कि किस राज्य को उसने कितने टीके दिए। इन कंपनियों के पास पहले ही से दूसरे देशों के भी ऑर्डर थे। ऐसे में भारत की जरूरत को पूरा कर पाना इनके लिए आसान नहीं था। हालांकि इस बीच कंपनियों की उत्पादन क्षमता बढ़ाई गई है। इसके लिए केंद्र ने अच्छा-खासा पैसा दिया है। रूस से भी स्पूतनिक टीके का आयात हो रहा है। देर से ही सही, अब और कंपनियां को भी टीके बनाने में लगाया गया है। देश में टीकों की कितनी जरूरत पड़ेगी और उसके हिसाब से कंपनियां कितना उत्पादन कर पाएंगी, इसका आकलन कर पाने में शुरूआती स्तर पर दरअसल सरकार नाकाम रही। इसी का नतीजा रहा कि टीकाकरण में हम लक्ष्य से काफी पिछड़ते चले गए।

बड़ी लकीर मिटाकर छोटी लकीर को बड़ा करने की यह 'कुटिल प्रवृति'

हमारे देश में केवल 3 दशक पूर्व तक जब आम लोगों को वर्तमान में प्रचलित शोधित जल के 'फनडे' के बारे में ज्ञान नहीं था तब तक प्रत्येक आम भारतीय कुंवे या पाईप लाइनों से आपूर्ति किये जाने वाले जल का ही उपयोग किया करता था। परन्तु आज शहरी आबादी का तो अधिकांश वर्ग यहाँ तक कि कस्बे व गांव तक के सम्पन्न लोग भी शुद्ध जल के नाम पर या तो बोतल बंद पानियों का इस्तेमाल करने लगे हैं या शहरों से लेकर गांव तक में जल शुद्धिकरण के व्यवसाय खुल गए हैं या फिर अनेक कंपनियों की तरह तरह की जल शुद्धिकरण की मशीनें घर घर लग चुकी हैं। यह और बात है कि अनेक विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि जल शुद्धिकरण के नाम पर किये जाने वाले जल शोधन प्रसंस्करण से पानी में प्रकृतिक रूप से पाए जाने वाले मिनरल्स समाप्त हो जाते हैं। परन्तु ऐसे विशेषज्ञों की आवाज मद्धिम पड़ चुकी है और पूरे विश्व में जल व्यवसाय शायद सबसे बड़े व्यवसाय का रूप ले चुका है। अब जरा याद करने की कोशिश कीजिये कि सर्वप्रथम हमें विभिन्न प्रचार माध्यमों के द्वारा यह समझाने की कोशिश की गयी कि आमतौर पर प्रचलित कुंवे,हैण्ड पंप व पाइप लाइन से मिलने वाला पेय जल प्रदूषित है,जहरीला है,हड्डियों को कमजोर करता है,कैंसर जैसी बीमारी का कारक है वगैरह वगैरह। और बड़े पैमाने पर इस तरह का दुष्प्रचार कर धीरे धीरे जल विक्रेता कंम्पनियों ने अपने पैर पसारने शुरू कर दिए। आज की स्थिति सब के सामने है। तो क्या पूरा देश शोधित या बोतल वाला पानी पी रहा है ? जी नहीं,केवल वही लोग शोधित जल या बोतल वाला पानी पी रहे हैं जो इतना पैसा खर्च कर सकते हैं। अन्यथा देश की एक बड़ी आबादी आज भी उसी सामान्य व पूर्व प्रचलित जल का सेवन कर रही है जो सदियों व दशकों से करती आ रही है। न कहीं से जल पीने के कारण मौत की खबर आती है न ही किसी बीमारी के फैलने की। हाँ, सामान्य

व पूर्व प्रचलित जल के विरुद्ध दुष्प्रचार ने शुद्ध जल के नाम पर जल व्यवसाय का बड़ा साम्राज्य जरूर स्थापित कर लिया। गोया शोधित जल को बाजार में उतारने से पूर्व नियमित उपयोग में आने वाले जल की विश्वसनीयता के विरुद्ध एक योजनाबद्ध प्रचार अभियान चलाकर उपभोक्ताओं के मस्तिष्क में यह बिठाने का सफल प्रयास किया गया कि सामान्य जल जहरीला व प्रदूषित है,इसे पीने से तरह तरह की बीमारियां लग सकती हैं और जान भी जा सकती है। उसके बाद विशाल शोधित जल व्यवसाय ने अपने पांव पसारे। आज भी आप किसी साबुन,वाशिंग पाउडर या टूथ पेस्ट का विज्ञापन देखें तो प्रायः इन विज्ञापनों में कंम्पनियां किसी दूसरे उत्पाद को 'साधारण उत्पाद ' बताकर उसके नुकसान बताती हैं फिर अपने उत्पाद के फायदे। यही है उपभोक्ताओं को अपनी और आकर्षित कर अपना माल बेचने का फंडा। पतंजलि आयुर्वेद संसथान के कर्ता धर्ता रामदेव का भी कुछ ऐसा ही तर्ज-ए-तिजारत है। चूँकि उन्हें आयुर्वेद व स्वदेशी के नाम पर बनाए जा रहे अपने विभिन्न उत्पादों को जनता तक पहुँचाना है लिहाजा उन्होंने यह महसूस किया कि शायद एलोपैथी चिकित्सा पद्धति उनकी आयुर्वेद व्यवसाय के प्रसार की राह का सबसे बड़ा रोड़ा है। लिहाजा आज से नहीं बल्कि कई वर्षों से उनका पूरा जोर इसी बात पर रहता है कि किसी तरह एलोपैथी चिकित्सा पद्धति व एलोपैथी दवाइयों को छोटा,हानिकारक या अलाभकारी बताकर या उसे नीचा दिखाकर उसकी जगह आयुर्वेद विशेषकर आयुर्वेद के पतंजलि निर्मित उत्पादों को प्रचलित व लोक सम्मत किया जाए। जबकि आज तक कभी भी किसी एलोपैथी चिकित्सा पद्धति के विशेषज्ञों को आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की बुराई करते या उसका उपहास उड़ाते नहीं देखा व सुना गया। परन्तु रामदेव ने तो इतेहा ही कर दी। उन्होंने एलोपैथी का मजाक तो उड़ाया ही साथ ही उन डॉक्टर्स की मौत का भी मजाक बनाया जो कोरोना मरीजों का इलाज करने के दौरान संक्रमित होकर शहीद हो गए ? परन्तु जो रामदेव यह कहा करते थे कि 'मुझे तो किसी का बाप भी गिरफ़्तार नहीं कर सकता' वही रामदेव अब पूरी तरह बैक फुट पर आए दिखाई दे रहे हैं। उनका यह गुरूर तब टूटा है जबकि पिछले दिनों भारतीय चिकित्सक संघ द्वारा रामदेव के विरुद्ध देश के कई राज्यों में एफ आई आर कराने की कार्रवाई शुरू की गयी और आईएमए द्वारा उनके एक हजार करोड़ रुपए के मानहानि के मुकद्दमे दायर करने के समाचार आए। अब तक उनके विरुद्ध, बिहार, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तरांचल, दिल्ली व बंगाल सहित कई राज्यों से एफ आई आर दर्ज किये जाने की खबरें आ चुकी हैं। इनमें अधिकांश मुकद्दमे धारा 188, 420, 467,120बी, भादस संगठित धारा 3, 4, राजस्थान एपीडेमिक डिजीज ऑर्डिनेंस 2020, धारा 54, आपदा प्रबंधन अधिनियम एवं धारा 4/7 और ड्रग्स एंड मेजिक रेमेडीज एक्ट 1954 के अंतर्गत दर्ज हुए हैं जोकि दंडनीय अपराध हैं। इन्हीं समाचारों के बीच रामदेव के सुर कुछ ऐसे बदले हैं कि यही एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति व डॉक्टर्स जो उन्हें अयोग्य नजर आ रहे थे अब उन्हीं डॉक्टर्स में वे ह्यधरती पर भगवान के दूतह्न का रूप देखने लगे हैं। जो वैक्सीन लगाने से वे सरे आम मना कर रहे थे वह अब वैक्सीन लगवाने को भी राजी हो चुके हैं। अब टर्र टर्र बताने वाले डॉक्टर्स को वे वरदान और धरती पर भगवान का दूत बता रहे हैं और आपातकालीन उपचार और शल्य चिकित्सा के लिए तो एलोपैथी को सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा पद्धति तक बता रहे हैं। दरअसल रामदेव ने एलोपैथी विरोध का जो पूरा नाटक रचा था उसका मुख्य कारण यही था कि वे इसी एलोपैथी विरोध की आड़ में अपना पतंजलि आयुर्वेद व्यवसाय का विस्तार करना चाह रहे थे। इसीलिये वे हमेशा जल्दी में भी नजर आते थे ताकि कोरोना महामारी के रहते वे भारत जैसे विशाल बाजार से और विश्व में अन्यत्र बसे भारतवासियों से खूब दौलत कमा सकें। नितिन गडकरी व डाक्टर हर्षवर्धन जैसे वरिष्ठ मंत्रियों को बुलाकर कोरोनिल नामक स्वनिर्मित कथित दवा का परिचय कराना भी उसी 'शुद्ध व्यवसायिक योजना' का हिस्सा था।

(24 जून) वीरांगना रानी दुर्गावती

रानी दुर्गावती (5 अक्टूबर 1524 झ 24 जून 1564) भारत की एक प्रसिद्ध वीरांगना थीं,जिसने मध्य प्रदेश के गोंडवाना क्षेत्र में शासन किया।उनका जन्म 5 अक्टूबर 1524 को कालिंजर के राजा पृथ्वी सिंह चंदेल के यहाँ हुआ उनका राज्य गढ़मंडला था,जिसका केंद्र जबलपुर था। उन्होने अपने विवाह के चार वर्ष बाद अपने पति गौड़ राजा दलपत शाह की असमय मृत्यु के बाद अपने पुत्र वीरनारायण को सिंहासन पर बैठाकर उसके संरक्षक के रूप में स्वयं शासन करना प्रारंभ किया। इनके शासन में राज्य की बहुत उन्नति हुई। दुर्गावती को तीर तथा बंदूक चलाने का अच्छा अभ्यास था। चीते के शिकार में इनकी विशेष रुचि थी। उनके राज्य का नाम [[गोंडवाना]] था जिसका केन्द्र जबलपुर था। वे इलाहाबाद के मुगल शासक आसफ खान से लोहा लेने के लिये प्रसिद्ध हैं।

परिचय

रानी दुर्गावती कालिंजर के राजा कीर्तिवर्मन/कीर्तिसिंह चंदेल की एकमात्र संतान थीं। चंदेल राजपूत वंश की शाखा का ही एक भाग है ।बांदा जिले के कालिंजर किले में 1524 ईसवी की दुर्गाष्टमी पर जन्म के कारण उनका नाम दुर्गावती रखा गया। नाम के अनुरूप ही तेज, साहस, शौर्य और सुन्दरता के कारण इनकी प्रसिद्धि सब ओर फैल गयी। दुर्गावती के मायके और ससुराल पक्ष की जाति भिन्न थी लेकिन फिर भी दुर्गावती की प्रसिद्धि से प्रभावित होकर गोण्डवाना साम्राज्य के राजा संग्राम शाह ने अपने पुत्र दलपत शाह मडावी से विवाह करके, उसे अपनी पुत्रवधू बनाया था।

दुर्भाग्यवश विवाह के चार वर्ष बाद ही राजा दलपतशाह का निधन हो गया। उस समय दुर्गावती की गोद में तीन वर्षीय नारायण ही था। अतः रानी ने स्वयं ही गढ़मंडला का शासन संभाल लिया। उन्होंने अनेक मठ, कुएं, बावड़ी तथा धर्मशालाएं बनवाईं। वर्तमान जबलपुर उनके राज्य का केन्द्र था। उन्होंने अपनी दासी के नाम पर चेरीताल, अपने नाम पर रानीताल तथा अपने विश्वस्त दीवान आधारसिंह के नाम पर आधारताल बनवाया।

ऐतिहासिक परिचय

रानी दुर्गावती मडावी का यह सुखी और सम्पन्न राज्य पर मालवा के मुसलमान शासक बाजबहादुर ने कई बार हमला किया, पर हर बार वह पराजित हुआ। मुगल शासक अकबर भी राज्य को जीतकर रानी को अपने हरम में डालना चाहता था। उसने विवाद प्रारम्भ करने हेतु रानी के प्रिय सफेद हाथी (सरमन) और उनके विश्वस्त वजीर आधारसिंह को भेंट के रूप में अपने पास भेजने को कहा। रानी ने यह मांग ठुकरा दी। इस पर अकबर ने अपने एक रिश्तेदार आसफ खां के नेतृत्व में गोण्डवाना साम्राज्य पर हमला कर दिया। एक बार तो आसफ खां पराजित हुआ, पर अगली बार उसने दुगनी सेना और तैयारी के साथ हमला बोला। दुर्गावती के पास उस समय बहुत कम सैनिक थे। उन्होंने जबलपुर के पास नरई नाले के किनारे मोर्चा लगाया तथा स्वयं पुरुष वेश में युद्ध का नेतृत्व किया। इस युद्ध में 3,000 मुगल सैनिक मारे गये लेकिन रानी की भी अपार क्षति हुई थी।

अगले दिन 24 जून 1564 को मुगल सेना ने फिर हमला बोला। आज रानी का पक्ष दुर्बल था, अतः रानी ने अपने पुत्र नारायण को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया। तभी एक तीर उनकी भुजा में लगा, रानी ने उसे निकाल फेंका। दूसरे तीर ने उनकी आंख को बेध दिया, रानी ने इसे भी निकाला पर उसकी नोक आंख में ही रह गयी। तभी तीसरा तीर उनकी गर्दन में आकर धंस गया।

रानी ने अंत समय निकट जानकर वजीर आधारसिंह से आग्रह किया कि वह अपनी तलवार से उनकी गर्दन काट दे, पर वह इसके लिए तैयार नहीं हुआ। अतः रानी अपनी कटार स्वयं ही अपने सीने में भोंककर आत्म बलिदान के पथ पर बढ़ गयीं। महारानी दुर्गावती चंदेल ने अकबर के सेनापति आसफ खान से लड़कर अपनी जान गंवाने से पहले पंद्रह वर्षों तक शासन किया था। जबलपुर के पास जहां यह ऐतिहासिक युद्ध हुआ था, उस स्थान का नाम बरेला है, जो मंडला रोड पर स्थित है, वही रानी की समाधि बनी है, जहां गोण्ड जनजाति के लोग जाकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। जबलपुर में स्थित रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय भी इन्ही रानी के नाम पर बनी हुई है। रानी दुर्गावती के सम्मान में 1983 में जबलपुर विश्वविद्यालय का नाम बदलकर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय कर दिया गयो भारत सरकार ने 24 जून 1988 रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर एक डाक टिकट जारी कर रानी दुर्गावती को याद किया। जबलपुर में स्थित संग्रहालय का नाम भी रानी दुर्गावती के नाम पर ही रखा गया है। रानी दुर्गावती की याद में कई जिलों में रानी दुर्गावती की प्रतिमाएं लगाई गई हैं और कई शासकीय इमारतों का नाम भी रानी दुर्गावती के नाम पर रखा गया है।

शेरशाह सूरी युद्ध

कालिंजर नरेश महाराज श्रीकीर्तिराज शाह शेरशाह सूरी की सेनाओं से भीषण युद्ध करते हुए कई बहुत गहरे घाव खा गए। चंदेल सैनिक उन्हें मूच्छित अवस्था में पालकी में डालकर किसी प्रकार दुर्ग में ले आए। राजकीय चिकित्सक उनकी चिकित्सा में लग गए।समस्त वातावरण में भय व्याप्त था। सूरी के सैनिक दुर्ग के सुदृढ़ कपाटों को भग करने का प्रयत्न कर रहे थे।सूरी सैनिकों के शवों और तीखे भालों से बिंधे हुए, करुण चिंगघाड़ों से आकाश को प्रकम्पित करने वाली दहाड़ों से खड़े-खड़े विशाल गजराज दुर्ग द्वार के रक्षक आश्चर्यजनक रूप से बन गए। द्वार से निराश होकर सूरी ने अपनी रणनीति में परिवर्तन कर डाला। दुर्ग के पीछे की दीवार जो अपेक्षाकृत कम ऊंची थी, उसके नीचे लकड़ी का ढालदार प्रशस्त मंच बना कर सूरी के सैनिक बारूद की मोटी तह बिछने लगे।

पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 302 व एसओ पर कार्यवाही के आश्वासन पर उठाया शव

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा थाना क्षेत्र के बसंतपुर में जमीनी विवाद में हुए मारपीट में मृत युवक अश्वनी शर्मा के शव को लेकर घर पहुचे और पुलिस प्रशासन के विरोध स्वरूप दो घण्टे तक शव घर पर रखकर तथा आधे घंटे तक थाने के सामने रखकर विरोध प्रदर्शन किया। एसडीएम व सीओ के आश्वासन व त्वरित कार्यवाही पर लोग शव को उठाये। इलाज के दौरान मौत होने पर पोस्टमार्टम हाउस से सीधे शव को

परिजन लेकर घर पहुचे और विरोध स्वरूप शव को घर पर रख धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। समझाने पर रात्रि 8 बजे के लगभग घर से शव लेकर निकले। लेकिन सिंधोरा थाने के सामने पहुचने पर फिर शव को वही रखकर धरना देने लगे। उसके बाद एसडीएम पिंडरा गिरीश कुमार द्विवेदी , सीओ पिंडरा अभिषेक पांडेय तहसीलदार रामनाथ के समझाने व मुकदमे में 302 की धारा बढ़ाने तथा पीटने में दोषी लोगों को गिरफ्तार करने तथा पुलिस द्वारा लाठीचार्ज करने वाले इंस्पेक्टर सिंधोरा के खिलाफ कार्यवाही के आश्वासन पर लोग शव उठाये। इस दौरान पिंडरा सर्किल की भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। रात्रि 9 बजे शव को दाह संस्कार के लिए परिजन ले गए। इस बाबत एसडीएम ने बताया कि परिजन दुखित थे और उसी के कारण विरोध कर रहे थे। कार्यवाई के आश्वासन पर लोग शव का दाह संस्कार के लिए ले जाने को तैयार हुए। दूसरी बार एसपी ग्रामीण अमित वर्मा ने लाठीचार्ज व लापरवाही बरतने के आरोप में इंस्पेक्टर सिंधोरा रमेश यादव को निलंबित कर दिया।

अर्णब गोस्वामी पर जमकर बरसे आईना प्रमुख सुमित स्वामी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। देश की वर्तमान दशा और दिशा पर बोलते हुए आईना प्रमुख सुमित स्वामी ने कहा की वर्तमान में देश की स्थिति भयावह बनी हुई है ।और देश की मीडिया आंख बंद करके सोई हुई है। उन्होंने सीधा सीधा आरोप अर्णव गोस्वामी पर लगाया और कहा कि वह केवल कुछ गिने-चुने लोगों की खबर ही दिखाते हैं एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब जनता स्वयं अपने हाथों में कानून लेने के लिए मजबूर होगी और सरकार और समाज के बीच का समन्वय नहीं बन पाएगा आइए देखते हैं सुमित स्वामी जी का पूरा वक्तव्य।

2022 मे कड़ी मेहनत करके उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएंगे - किशन यादव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के नव नियुक्त महानगर सचिव किशन यादव ने कहा वर्तमान समय मे सरकार से देश एवं प्रदेश की जनता नाखुश है क्योकी देश मे महंगाई चरम सीमा पर है और युवा बेरोजगार है हम सभी समाजवादी लोग 2022 मे कड़ी मेहनत करके उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएंगे। किशन यादव ने बताया की जो - जो समस्याओ का काशी की जनता सामना कर रही है उन सभी समस्याओ से लोगों को जल्द हीं आजादी मिल जाएगा और. चैन से लोग जी सकेंगे।

दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा और केरल राज्यों में भी धर्मांतरण का षड्यंत्र !

उत्तर प्रदेश के धर्मांतरण का संबंध आतंकवाद से और यह षड्यंत्र पूरे देश में होने के कारण प्रकरण की जांच 'एनआइए' को दें ! - हिन्दू जनजागृति समिति की मांग

हाल ही में उत्तर प्रदेश के एक हजार हिंदुओं का धर्मांतरण करनेवाले दो मौलवियों को बंदी बनाया गया है । तदुपरांत हुई जांच में पाया गया कि उन्हें पाकिस्तान के गुप्तचर संगठन 'आइएसआइ' से आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही थी, साथ ही उत्तर प्रदेश सहित दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा और केरल में भी धर्मांतरण का षड्यंत्र चल रहा है । कुछ समय पूर्व केरल में चार महिलाओं सहित कुछ पुरुष 'इसिस' में सहभागी हुए, वे सभी धर्मांतरित थे । संक्षेप में पूरे देश में हो रहे धर्मांतरण का संबंध आतंकवादी गतिविधियां और 'आइएसआइ' से है । इसलिए हिन्दू जनजागृति समिति ने मांग की है कि 'राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण' द्वारा (एनआइए द्वारा) इसकी विस्तृत जांच की जाए । इससे पूर्व भी केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंधित मुंबई के डॉ. जाकीर नाइक के 'इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन' के दो सदस्य आतंकवाद विरोधी दल द्वारा पकडे जाने पर उन्होंने स्वीकार किया कि 700 हिन्दुओं का धर्मांतरण किया गया । उन्होंने प्रलोभन देकर तथा बुद्धिभेद (ब्रेनवॉश) कर धर्मांतरण किया । आज देश के अनेक राज्य धर्मांतरण प्रतिबंध कानून बना रहे हैं; परंतु तब भी धर्मांतरण के माध्यम से देशविरोधी गतिविधिया और आतंकवाद सिखाया जा रहा हो, तो उसे प्रतिबंधित करने के लिए मोदी सरकार को राष्ट्रीय स्तर पर धर्मांतरण के विरोध में कठोर कानून बनाना चाहिए । धर्मांतरण के षड्यंत्र में सहभागी लोगों को 'आइएसआइ' तथा देश-विदेश से धनराशि मिल रही थी । ऐसे सभी की संपत्ति जब्त कर उन पर 'राष्ट्रीय सुरक्षा कानून' के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी, ऐसा उत्तर प्रदेश सरकार ने घोषित किया है । इस निर्णय का हम स्वागत करते हैं । इसी प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर भी केंद्र सरकार कठोर कार्यवाही करना आरंभ करे, ऐसी मांग श्री. रमेश शिंदे ने की है ।

वैक्सीन आया, किसी ने लगाया तो किसी ने भरमाया!

विगत दो वर्षों से विश्व का कोना - कोना कोरोना महामारी का शिकार हो रहा है। इस महामारी के चलते कई परिवार काल के ग्रास बन गये। आंखों से इस महामारी के प्रकोप को देखते रहे पर कुछ नहीं कर पाये। हमने कई चर्चित चेहरे, लेखक, कवि, पत्रकार, चिक्तिसक, सेवाकर्मी को खो दिया पर चाहकर भी इन्हें बचा नहीं पाये। विश्व स्तर पर इस महामारी से बचाव हेतु प्रयास जारी रहे। इस दिशा में सफलता भी मिली। कोरोना से बचाव हेतु वैक्सीन भी सामने आ गया जिसका इंतजार सभी को था। हमारा देश भी इस प्रक्रिया में कभी पीछे नहीं रहा बल्कि एक नहीं दो दो कोविशिल्ड एवं कोवैक्सीन नाम से वैक्सीन आम जनता को कोरोना से बचाव की दिशा में उपलब्ध करा कर पूरे देश को टीकाकरण अभियान से जोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी।

जब यह प्रक्रिया शुरू हुई तो इस वैक्सीन को लेकर देश में कई तरह की अफवाहें फैल गई। इस वैक्सीन को एक वर्ष के भीतर आना भी इस अफवाह के बीच इसे गलत बताने की दिशा में मुख्य भूमिका निभाता रहा। इस वैक्सीन को लगाने से कई तरह की परेशानियां हो सकती है, अफवाह की पृष्ठभूमि यह भी बनी रही। वैक्सीन न लगाने के लिये सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को भरमाने का कार्य भी बड़े पैमाने पर शुरू हो गया जब कि कोरोना से बचाव हेतु शीघ्र वैक्सीन लाने की गुहार जोर शोर से की जा रही थी। जब वैक्सीन सामने आ गई तो तरह तरह के सवालों में उलझ गई। देश के

वैज्ञानिक, वरिष्ठ चिकित्सक एवं सुद्धि जनों ने हर अफचाह को गलत ठहराते हुये वैक्सीन को कोरोना से बचाव का एक मात्र उपाय बताया। इस वैक्सीन से होने वाले क्षणिक प्रभाव एवं उसके निदान की जानकारी भी बड़े पैमाने पर दी गई। इस तरह के उभरे परिवेश में किसी ने वैक्सीन लगाई तो किसी ने गलत अफवाहों के डर से कुछ ने इसे लगाने से इंकार कर दिया। इस दिशा में अनपढ से लेकर पढ़े लिखे लोग भी अफवाहों के शिकार होकर वैक्सीन का विरोध करते नजर आ रहे है। इस तरह की समस्या निश्चित तौर पर जटिल हो गई है जहां सरकार कोरोना से बचाव हेतु वैक्सीन लाकर हर नागरिक को टीकाकरण अभियान से जोड़ने प्रयास कर रही तो वहीं लोगों को भरमाकर वैक्सीन के बारे मे गलतफामियां पैदा कर इस अभियान को विफल करने का भी प्रयास बड़े पैमाने पर जारी है। इस तरह के संकट की घड़ी में देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। इस तरह के उभरते परिवेश के बीच देश में 18 वर्षो से लेकर सभी उम्र के नागरिकों को हर स्तर पर वैक्सीन लगाने की प्रक्रिया जारी है। जब कि वैक्सीन को लेकर फैलाई गई अफवाह के कारण ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्र में इसका विरोध अब भी जारी है। इस टीकाकरण अभियान को विफल करने की दिशा में असमाजिक तत्वों द्वारा अनेक प्रकार की भ्रामक गतिविधियां सोशल मीडिया माध्यम से निरन्तर जारी हे। इस दिशा में राजनीति भी जारी हे। कई जगहों पर वैक्सीन की कमी भी जताई जा रही है। इस तरह के हालात में कई जगह वैक्सीन को लगाने के लिये उत्साह नजर आ रहा तो कई जगह अफवाह के कारण पिरोध। देश में लापरवाही, अफवाह एवं राजनीति के कारण कोरोना दो चरणों में आ चुका है एवं कई घर बर्वाद कर चुका है। यदि इस दिशा में लापरवाही एवं गलत अफवाह फैलाने की प्रक्रिया जारी रही तो कोरोना तीसरे चरण में भी प्रवेश कर तबाही मचा सकता है। कोरोना सं बचाव का एकमात्र उपाय अफवाह एवं लापरवाही से दूर रहते हुए कोरोना गाइड का पालन करते हुये टीकाकरण अभियान को सफल बनाना।

सपा महिला सभा की महानगर अध्यक्ष को मिली जान से मारने की धमकी, सपा प्रतिनिधि मंडल पुलिस उपायुक्त से मिलकर जताया विरोध

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी की महिलासभा अध्यक्ष पूजा यादव के वाहन को धक्का मारने एवं अभद्र व्यवहार करने एवं जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में समाजवादी पार्टी का प्रतिनधिमंडल सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा के नेतृत्व में पुलिस उपायुक्त काशी जोन अमित कुमार से मिला उक्त घटना के संधर्भ में अवगत कराया। प्रतिनधिमंडल ने डीसीपी काशी जोन से अवगत कराते हुए बताया कि पूजा यादव समाजवादी पार्टी की महिलासभा की महानगर अध्यक्ष है व महमूरगंज वाराणसी निवासिनी हैं । दिनांक 22/06/2021 को सायं लगभग 04:30 बजे अपने घर से किसी आवश्यक कार्य से गोदौलिया के लिये जा रही थी, अपने घर से कुछ दूर कमच्छा की ओर पहुंची ही थी कि उनके वाहन के आगे अज्ञात व्यक्ति चार पहिया वाहन सवार लोगों ने ओवर टेक कर वाहन रोककर पूजा यादव को गाली गलौज करने लगा व धमकी देकर भागने लगा पूजा यादव ने वाहन का नम्बर ठीक तरह से देख नहीं पायी मात्र आखिर का 0707 ही देख पायी व उस गाड़ी पर अक्षरों में विश्व हिन्दू परिषद लिखा हुआ था एवं पूरी

गाड़ी पर काले रंग का शीशा लगा हुआ था। अज्ञात व्यक्ति शराब के नशे में धुत होकर व्यस्ततम इलाका वी० के० एम० स्कूल , रथयात्रा के पास पूजा यादव के गाड़ी को ओवरटेक कर जोरदार धक्का मारते हुए अपनी गाड़ी कुछ दूर खड़ा करके पूजा यादव के गाड़ी के पास आकर अभद्र व्यवहार करने लगा एवं अश्लील गालियों का प्रयोग करते हुए पूजा यादव के साथ बहस करने लगा तथा ड्राईवर ईशु कुमार गौतम के साथ गाली - गलौज करने लगा तथा पूजा यादव ने बीच बचाव करने को व समझाने की कोशिश की जिस पर वह अज्ञात व्यक्ति जाते - जाते पुजा यादव को कहा कि अगर तुम महिला न होती गोली मार देते धमकी देकर वहां से चला गया पूजा यादव ने समस्त घटना की जानकारी सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा को फोन कर बताया। महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों से पहले वार्ता किया व आज पुलिस उपायुक्त के कार्यालय मे मुलाकात कर पुलिस उपायुक्त से सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने कहा कि उक्त सम्पूर्ण घटना वहां के सी०सी०टी० वी० कैमरे से देखी जा सकती है, अतः उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए उक्त के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कानूनी कार्यवाही करने की माँग की है वहीं डीसीपी काशी जोन अमित कुमार ने तत्काल थाना लक्सा को निर्देश निर्गत किया कि तत्काल उपरोक्त स्थान पर लगे सी सी फुटेज निकालकर जाँच कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया। प्रतिनधिमंडल में मुख्य रूप से सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा, महानगर महासचिव जितेन्द्र यादव , प्रदेश सचिव राजू यादव , महानगर मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता संदीप शर्मा , युवजन सभा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विकास यादव बच्चा ,दक्षिणी विधानसभा अध्यक्ष शमीम अंसारी , कैन्ट विधानसभा अध्यक्ष दिलीप कश्यप , रामनगर अध्यक्ष जितेंद्र यादव मालिक, कंचन चौधरी, समन यादव, ईशु गौतम सहित इत्यादि लोग मौजूद रहे।

कोयला डिपो को किया गया सीज

प्रखर वाराणसी। पुलिस, राजस्व, परिवहन व खनन विभाग ने की संयुक्त कार्यवाही,रामनगर बीते एक हफ्ते से नगर के लोगो द्वारा किये जा रहे धरना प्रदर्शन के कारण नगर के केन्द्र में रहे कोयला डिपो के खिलाफ बुधवार को राजस्व,पुलिस,परिवहन व खनन विभाग ने संयुक्त कार्यवाही कर सीज कर दिया, कोदोपुर वार्ड में बीते 6

महीनों से अधिक समय से संचालित यह कोयला डिपो 6 बीघे क्षेत्र में फैला हुआ था। मंडी से होने वाले प्रदूषण से नाराज क्षेत्रीय लोगो ने बीते दिनों भाजपा नेता विमलेश सिंह और सभासद नन्द लाल चौहान के नेतृत्व में धरना दिया था। बुधवार दोपहर मजिस्ट्रेट के रूप में कोयला डिपो पहुँचे, एसीपी कोतवाली प्रवीण कुमार सिंह व राजस्व अधिकारी प्रशिक्षु एस डी एम आकाश कुमार ने बताया कि बीते फरवरी माह में एस डी एम कोर्ट ने धारा 133 सी आर पी सी के तहत प्रदूषण वजनाक्रोश को देखते हुए डिपो परिसर को सीज करने का आदेश दिया था,साथ ही इनके पास कोयला डिपो के सम्बन्ध में कई कागजात नही मिले। खनन अधिकारी अरविन्द कुमार के अनुसार मौके पर कुल 2530 टन कोयला मिला जिसे कागजी कार्यवाही कर सीज कर दिया गया,मौके पर पहुँचे परिवहन विभाग के अधिकारी मिथिलेश सिंह व कन्हैया गुप्ता ने बताया कि परिसर में एक भी वाहन नही मिला जिस कारण वाहन सीज की कोई प्रक्रिया नही की गयी । मजिस्ट्रेट के रूप में आये ए सी पी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि परिसर के मुख्य गेट पर ताला बन्द कर परिसर को सीज कर दिया गया है, साथ ही परिसर में प्राप्त कोयले को सुमित गुप्ता व उनके कर्मचारियों की सुपुर्दगी में दे दिया गया है।आगे कोर्ट के आदेश के आधार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी,वही कोयला डिपो बन्द होने की खबर पर स्थानीय लोगो ने भाजपा नेता विमलेश सिंह सभासद नन्दलाल चौहान के साथ पुलिस व जिला प्रशासन को बधाई दी।

संक्षिप्त खबरें

समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का मोहम्मद सैफ अंसारी को महानगर उपाध्यक्ष पद पर किया गया मनोनयन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कोविड महामारी की गाइडलाइन का पालन करते हुए व आगामी विधानसभा 2022 के चुनाव को देखते हुए समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने संगठन को और मजबूती देने के लिए कमेटी के विस्तार क्रम में समाजवादी पार्टी के युवा नेता मोहम्मद सैफ अंसारी की सक्रियता देखते हुए समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का महानगर उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन किया गया एवं जुनैद अंसारी का भी महानगर उपाध्यक्ष पद पर व वसीम हसन खान को पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में सदस्य नामित किया गया। इस अवसर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलशाद अहमद ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी की सरकार बनना देखना चाहती है प्रदेश के किसानों नवजवानों छात्रों बुनकरों की उम्मीद सिर्फ अखिलेश यादव है अतःपार्टी के पिछड़ा प्रकोष्ठ के कार्यकताओं को अपने बूथ स्तर पर कड़ी मेहनत करनी होगी इसी क्रम में वरिष्ठ नेता अनिल सोनी ने कहा की समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकर्ता एकजूट होकर बूथ लेवल पर मेहनत कर देंगे तो 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने से कोई ताकत रोक नही सकती कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष व पार्षद मिथिलेश सहानी ने कहा कि पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का महानगर संगठन वाराणसी शहर की तीनों सीट पर चुनाव जीतने के लक्ष्य को लेकर बहोत ही मजबूती से काम कर रहा है संगठन का मात्र एक ही लक्ष्य है 2022 में अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश का फिर से चहुमुखी विकास हों इस अवसर मुख्य रूप से, अनिल सोनी, दिलशाद अहमद सुनील अहमद,तौफीक, दीप कुमार, सैफ अंसारी,वसीम हसन , जुनैद अंसारी आदि लोग उपस्थित हुए।

फर्जी अंकपत्र के मामले में आरोपित को मिली जमानत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश (प्रथम) के न्यायाधीश संजीव सिन्हा की अदालत ने फर्जी अंकपत्र के मामले में धारा 419, 420, 467, 468, 471 भारतीय दंड संहिता के आरोपित मोहम्मद हम्माद उम्र 35 वर्ष पुत्र जलालुद्दीन निवासी गोपालपुर पोस्ट सरदहा थाना महाराजगंज आजमगढ़ को जमानत दे दी। आरोपित के द्वारा एक एक लाख का व्यक्तिगत बंधपत्र एवं समान राशि की दो जमानत संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष दाखिल करने पर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। बचाव पक्ष की ओर से विद्वान व वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर सिंह व उनके सहयोगी मिथिलेश मिश्रा, ज्योति सिंह ने पक्ष रखा। अभियोजन कथानक के अनुसार वादी डॉ प्रदीप कुमार संयुक्त शिक्षा निदेशक वाराणसी मंडल वाराणसी द्वारा थाना प्रभारी कैंट वाराणसी को संबोधित तहरीर प्रस्तुत करके इस आशय की प्राथमिकी दर्ज कराई गई कि शासनादेश संख्या 852/15/2/2015/34(100)/11 अगस्त 2015 के निदेर्शानुसार शिक्षा निदेशक माध्यमिक लखनऊ के पत्रांक दिनांक 21/08/2015 के अनुपालन में अवगत कराया जाना है कि राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक वेतन क्रम पुरुष/महिला शाखा में नियुक्ति चयन हेतु आवेदकगण अभ्यर्थियों द्वारा अपने स्नातक तथा बीएड के अंक पत्र प्रस्तुत किए गए। आवेदक द्वारा जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय जोधपुर से संबंधित बीए, बीएड के अंक पत्र प्रस्तुत किए गए थे जो जांच में फर्जी पाया गया। इसी प्रकार अन्य अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयो के प्रस्तुत अंकपत्र भी जांच में फर्जी पाए गए थे। इस आधार पर आवेदक अभियुक्त एवं अन्य के विरुद्ध थाना कैंट वाराणसी में प्राथमिक दर्ज कराई गई।

बिजली विभाग ने अभियान चलाकर काटे तीन दर्जन से अधिक बकायेदारों के कनेक्शन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। चुनार विद्युत खंड के एक्सीयन मनीष झा ने बुधवार को क्षेत्र में अवैध कनेक्शनों एवं विद्युत बकायेदारों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया और उपखंड अहरौर से संबंधित विभिन्न फीडरो पर क्रास चेकिंग करते हुए उन्होंने लगभग 40 बकायेदारों के कनेक्शन कटवाए और तीन लाख रुपए राजस्व की वसूली की गई । एक्शन मनीषा झा के नेतृत्व में अहरौरा उपखंड के एसडीओ ईश्वर शरण सिंह सहित अहरौरा सबस्टेशन, जंगलमहाल के जे ई के साथ सघन बिजली चेकिंग अभियान चलाया गया । इस अभियान के तहत नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों एवं बड़े बकायेदारों के लगभग चालीस कनेक्शन काटे गए

। साथ ही लगभग तीन लाख रूपए राजस्व की वसूली भी की गई। बताया जाता है कि भगौती देई मे चल रहे एक ब्रिक्स प्लांट पर भी विद्युत विभाग ने छापा डाला और वहां अवैध ढंग से चल रहे हैं प्लांट को बंद कराते हुए केवल काट ले आए । इस संबंध में उपखंड अधिकारी ने बताया कि उपभोक्ता द्वारा कनेक्शन के लिए आवेदन किया गया है । अभी मामले की जांच चल रही है ।

कोरोना से जंग हेतु योग व स्वच्छता को दे रहे बढ़ावा

प्रखर वाराणसी। मुहिम संस्था द्वारा संचालित 'पाठशाला कार्यक्रम' की पहल मिजार्मुराद : कोरोना की तीसरी लहर की शुरूआत विदेशों में हो चुकी है,ऐसे में दूसरी लहर से सीख लेते हुए बनारस की 'मुहीम' संस्था द्वारा वनवासी बच्चों के लिए चलाएं जा रहे कार्यक्रम 'पाठशाला' के अंतर्गत बच्चों को निरोग रखने हेतु योग एवं स्वच्छता अपनाने के बाबत जागरूक किया जा रहा। सेवापुरी ब्लाक के बसुहन (करधना) गांव के वनवासी बस्ती में नन्हे-मुन्ने बच्चे व किशोरियां नियमित रूप

से योग अपना कर व्यायाम कर रहे हैं।इसके साथ ही बच्चों ने गांव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का भी काम भी शुरू कर खुद सफाई अभियान चला रहे हैं। मुहिम संस्था की अध्यक्ष स्वाती सिंह ने बताया कि पाठशाला कार्यक्रम के तहत बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही कोरोना महामारी से बचने के लिए स्वस्थ दिनचर्या, नियमित व्यायाम और स्वच्छता के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। संस्था की साथी रेनू व सरोज प्रतिदिन बच्चों को योग और व्यायाम के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं।संस्था की साथी नेहा अपने गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए बच्चों का सहयोग कर रही है।इसी तरह के कार्य तेंदुई और चित्रसेनपुर गांव के वनवासी बस्ती में भी शुरू किया गया है। मालूम हो कि संस्था की तरफ से वनवासी बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा देने एवं कुपोषण से बचाव के लिए 'पाठशाला' कार्यक्रम चलाया जा रहा हैं।

महिला महाविद्यालय को संचालन हेतु मिली अनुमति

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। क्षेत्र के गौर-मिजार्मुराद गांव में नवनिर्मित स्व.वंशनारायण सिंह महिला महाविद्यालय के संचालन के बाबत महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा तीन वर्ष की सम्बद्धता हेतु अस्थाई अनुमति प्रदान की गई हैं।उक्त अनुमति के बाबत कुलसचिव द्वारा 19 जून को पत्र जारी किया गया। प्रबंधक संजीव सिंह गौतम ने बताया कि महिला महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला संकाय, विज्ञान संकाय एवं गणित विषयो की कक्षाएं संचालित करने की अनुमति मिली हैं।महिला महाविद्यालय को मान्यता मिलने से अब ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु दूर नही जाना पड़ेगा।

प्रधान संघ की बैठक संपन्न राकेश कुमार सिंह बने सेवापुरी प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सेवापुरी आदर्श ब्लॉक के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों की एक बैठक बुधवार को दोपहर में सिरिहिरा बाजार में संपन्न हुआ। जिसमें 87 ग्राम प्रधानों में से 76 ग्राम प्रधानों ने उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक में सर्वप्रथम नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया, तथा एक दूसरे को बधाई दी गयी। तत्पश्चात ब्लॉक संगठन का चुनाव संपन्न कराया गया, जिसमें उपस्थित सभी प्रधानों ने करतल ध्वनि से श्री राकेश कुमार सिंह ग्राम प्रधान भिषमपुर को सेवापुरी प्रधान संघ अध्यक्ष मनोनीत किया तथा इसी कड़ी में रामदुलार सिंह एवं घनश्याम यादव को संरक्षक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नितिन कुमार सिंह, उपाध्यक्ष क्रमशः रविंद्र कुमार, ओम प्रकाश यादव, महामंत्री प्रेमलता मिश्र, सचिव राजेश कुमार सिंह, संगठन मंत्री संतोष कुमार गुप्ता, सचिव शशी प्रताप सिंह, प्रवक्ता तारा देवी पत्नी राम राज पटेल, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार सोनकर, सूचना मंत्री निषाद, मीडिया प्रभारी संजय यादव को मनोनीत किया गया। अंत में निर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष ने प्रधानों को कार्य बोध कराते हुए बधाई दी और सभी पदाधिकारियों को अपने पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई। और साथ-साथ सभी प्रधानों को बताया गया कि प्रत्येक महीने में एक मासिक बैठक किया जाएगा। उपस्थित प्रधान गण क्रमशः पूजा सिंह, रमेश सिंह, तारा देवी, सत्यनारायण, सुजीत सिंह, शिल्पा सिंह, दीपक सिंह, अनंत कुमार, रमाशंकर यादव, गणेश पटेल, महेंद्र कुमार सिंह, राजेश कुमार सिंह, हरी कुंवर सिंह, राजेश यादव, आजाद पटेल, गगन सिंह, सेवालाल, कमलेश यादव उपस्थित रहे।

करंट से युवक की हुई मौत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के रामपुर (सुखदेवपुर) निवासी मुकेश कुमार यादव 26 वर्ष की करंट लगने से मौत हो गई। घटना से घर मे कोहराम मच गया। उसकी एक माह पूर्व ही शादी हुई थी। बताते हैं कि घर मे पंखा लगाते समय सायंकाल में करंट उतर गया और झटका लगने से बेहोश हो गया। उसके बाद परिवार के लोग बीएचयू ले गए जहाँ चिकित्सको ने इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। उक्त युवक की शादी एक माह पूर्व ही हुई थी। पिता मेवालाल के मुताबिक दो पुत्रों में सबसे बड़ा था और वही घर का खर्चा चलाता था।

सिंधोरा में सरेआम फायरिंग करने वाले बदमाशो को पुलिस ने दबोचा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा चौराहे के समीप दिनदहाड़े पंचायत चुनाव व वर्चस्व को लेकर हुई फायरिंग की घटना में शामिल चार युवकों को सिंधोरा पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त पिस्टल, जिंदा कारतूस व स्कार्पियो कार भी बरामद किया। बुधवार को सायंकाल में सिंधोरा थाने पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान सीओ पिंडरा अभिषेक पांडेय ने बताया कि गत दिनों पंचायत चुनाव में जिला पंचायत सदस्य के लिए मोनू मिश्र लड़ना चाहता था लेकिन उसी के मित्र विमल उर्फ भोतू सिंह उसे लड़ने से मना कर दिया। बाद में उक्त सीट आरक्षित हो गई लेकिन दोनों में इसी बात को लेकर मनमुटाव हो गया और एक दूसरे को देख लेने की धमकी में देने लगे। इसी बीच 21 जून को अपराह्न 3 बजे मोनू मिश्र को जानकारी मिली कि विमल सिंह अपने दोस्तों के साथ सिंधोरा आया हुआ है। उसके बाद स्कार्पियो से अपने तीन अन्य साथियों के साथ पहुचा और गाली गलौज देते हुए लक्ष्य कर .32 पिस्टल से गोली चला दी। लेकिन संयोग से वह बच निकला और केवल विमल को कनपटी को छूटी हुई निकल गई। उसके बाद पुलिस ने विमल के मित्र व घटना के समय हुई मारपीट में घायल संदीप मिश्र की तहरीर पर 147,148,149,307, 504 व 506 के तहत मुकदमा दर्ज कर चारो नामजद आरोपी के गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई। बुधवार को इंस्पेक्टर सिंधोरा रमेश यादव को मुखबिर से सूचना मिली कि सिंधोरा में हुई फायरिंग की घटना में शामिल बदमाश गड़खरा के पास मौजूद है और बजरंग नगर से पौनी पतिराजपुर होकर स्कार्पियो से भागने वाले हैं। उसके पास सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की और जब आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगे तो उन्हें धर दबोचा गया। जब थाने लाकर उनसे पूछताछ व तलाशी ली गई तो उन्होंने बताया कि पंचायत चुनाव को लेकर कहासुनी हुई थी उसी के आक्रोश में गोली चलाई थी।

समाजसेवियों और पत्रकारों को विशिष्ट योगदान के लिए काशीरत्न सम्मान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी युवा व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से बुधवार को आशापुर स्थित होटल फर्न रेजिडेंसी में विशिष्ट योगदान के लिए

समाजसेवियों और पत्रकारों को काशी रत्न सम्मान से विभूषित किया गया। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान पत्रकारों के सराहनीय योगदान पर चर्चा हुई। पत्रकार राजकुमार सिंह,जितेन्द्र श्रीवास्तव, संजय सिंह, राघवेंद्र केशरी, विवेक श्रीवास्तव, दिनेश तिवारी, केएन राय, संतोष कुमार सिंह, अरविन्द विश्वकर्मा,सुनील कटियार,मनीष उपाध्याय, बबलू चौरसिया, तौफीक खान, प्रेम शर्मा, राजीव सेठ, बजरंगबली तिवारी, अतुल राय, राजेन्द्र जायसवाल, सुशीला, नेहा दिवेदी, बृजेश प्रजापति राजेन्द्र मोहनलाल श्रीवास्तव ,रवीन्द्र गिरी,रवीन्द्र गुप्ता सहित इत्यादि पत्रकारो को काशी रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि काशी व्यापार प्रतिनिधि मंडल के संरक्षक अरुण केसरी थे। विशिष्ट अतिथि काशी व्यापार प्रतिनिधि मंडल के उपाध्यक्ष अनिल यादव, उपाध्यक्ष श्रीप्रकाश पांडेय, महामंत्री राजकुमार शर्मा, महिला व्यापार मंडल अध्यक्ष शालिनी गोस्वामी रहीं। आयोजन समिति में काशी युवा व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष अखिलेश सिंह, महामंत्री संजय कुमार राय, कोषाध्यक्ष इमरान खान, आईटी प्रकोष्ठ प्रभारी अमित जायसवाल, मीडिया प्रभारी अरविंद कुमार थे। काशी युवा व्यापार प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि काशी युवा व्यापार प्रतिनिधि मंडल को और सुसंगठित करने के लिए जल्द ही चिकित्सा प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ, आईटी प्रकोष्ठ का गठन किया जाएगा `जिससे व्यापारियों को एक ही छत के नीचे सभी मूलभूत सुविधाएं मिल सकेंगी संचालन संजय कुमार राय ने किया।

थाना लालपुर पुलिस ने वांछित अभियुक्त गोलू शिल्पकार को किया गिरफ्तार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पुलिस आयुक्त वाराणसी के द्वारा वाराणसी में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन के निर्देशन में दिनांक 23.06.2021 को थाना लालपुर- पाण्डेयपुर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर जगतगंज थाना चेतगंज से मुअ0सं00149/2021 धारा 363/366 भाद0वि0 के वांछित अभियुक्त गोलू शिल्पकार पुत्र स्व0 राजकुमार शिल्पकार 21वर्ष निवासी- उ 27/246 जगतगंज थाना चेतगंज वाराणसी को समय 06.05 बजे गिरफ्तार किया गया उक्त अभियुक्त के सम्बन्ध में थाना लालपुर- पाण्डेयपुर पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उ. नि. आदित्य कुमार सिंह , हे.का, कमल सिंह ,का. हरिन्द्र सिंह सहित थाना लालपुर पाण्डेयपुर की पुलिस टीम शामिल रही।

11वीं पुण्यतिथि पर याद किये गए वरिष्ठ पत्रकार स्व0 दिलीप सिंह

प्रखर सेवराई गाजीपुर। तहसील क्षेत्र के संतरामगंज बाजार निवासी हेमंत सिंह के आवासीय परिसर में भदौरा के वरिष्ठ पत्रकार स्व.दिलीप सिंह की

ग्यारहवीं पुण्यतिथि पर शोक सभा का आयोजित हुई । सबसे पहले सभा में उपस्थित पत्रकारो ने अपने चहेते पत्रकार साथी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया। उक्त शोक सभा में महा ग्रामीण पत्रकार संघ के तहसील अध्यक्ष सत्या उपाध्याय ने कहा कि दिलीप सिंह एक शानदार, निर्भिक और उच्चश्रेणी के लेखक, पत्रकार एवं समाजसेवी थे। अपनी लेखनी से हमेशा गरीब मजदूर व असहायों के लिए कभी भी पीछे नहीं हटे। जिला महासचिव नसीम खान ने कहा कि इन्होने सत्य लिखने मे कभी समझौता नही किया। इनका असमय चले जाना पत्रकारिता जगत के लिये अपूर्णिय क्षति है। जिसकी कभी भरपाई नही की जा सकती। सभा के उपरान्त उनकी स्मृति में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर इंद्रासन यादव, मोहम्मद मारूफ खां, डॉ जनार्दन प्रजापति, शैलेंद्र कुमार चौधरी, उपेंद्र सिंह गहमरी, डॉ अखण्ड प्रताप सिंह, विवेक सिंह विक्की, प्रशांत कुमार सिंह, सन्दीप शर्मा, दीपक जायसवाल, नंदन सिंह,अभिजीत सिंह अंशु आदि के साथ परिवार के लोग उपस्थित रहे। बड़े सुपुत्र हेमन्त सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बनकटी हनुमान मंदिर में सीवर का पानी गर्भ गृह में कमर तक घुस जाने के बाद हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय ने जताया कड़ा विरोध

प्रखर वाराणसी। अध्यात्म एवं आस्था की नगरी काशी जो कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र भी है शहर में चारों ओर विकास कार्य जारी है इसके बाद भी सीवर समस्या खत्म होने का नाम

जिलाधिकारी को फोन कर जल्द समाधान करने की कही बात, अन्यथा धरने की दिया चेतावनी

नहीं ले रही है जलकल विभाग और नगर निगम की कार्यशैली पर यह सवालिया निशान है बुधवार की सुबह दुगार्कुंड के समीप स्थित प्राचीन बनकटी हनुमान मंदिर में सीवर का पानी घुस गया जिसके कारण हनुमान जी का विग्रह गंदे पानी में डूब गया है और गंदे पानी में डूबे होने के कारण पूजन अर्चन में काफी परेशानी हो रही है प्रधान पुजारी पंडित गया प्रसाद मिश्र ने कहा कि सीवर का पानी गर्भ गृह में भर जाने के कारण भोर में होने वाला सिंगार आरती नहीं हो पाई

जिसके बाद उन्होंने सांकेतिक सिंगार और आरती किया। मंदिर सेवादारों द्वारा काफी प्रयास करने के बाद भी पानी नहीं निकाला जा सका जिसके बाद राष्ट्रीय हिंदू दल अध्यक्ष हिंदू नेता रोशन पाण्डेय द्वारा मंदिर पहुंचकर जिलाधिकारी वाराणसी को फोन कर तत्काल इस समस्या का समाधान करने को कहा, रोशन पाण्डेय द्वारा शिकायत करने के बाद जलकल विभाग के सहायक अभियंता विश्वनाथ गुप्ता ने शर्मनाक वक्तव्य दिया और कहा कि मंदिर का मामला है इसलिए जल्दी समाधान नहीं होगा अन्य जगह का होता तो अबतक हो गया होता। रोशन पाण्डेय ने कहा कि यह बहुत शर्मनाक है काशी की महत्वपूर्ण मंदिरों की गर्भ गृह में सीवर का पानी जाना बेहद शर्मनाक और अपमानजनक है जिसे हम कतई बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं यदि इसका स्थाई समाधान नहीं निकाला गया तो 24 घंटे के बाद हम धरने पर बैठने के लिए मजबूर हैं। रोशन पाण्डेय ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी ट्वीट कर कार्रवाई करने की मांग की है।

सत्संग से दूर होते है दुर्गुण और दुर्व्यसनः ओमप्रकाश सिंह

प्रखर सेवराई गाजीपुर। स्थानीय तहसील क्षेत्र के अंतर्गत गहमर गांव के पंचमुखी घाट स्थित हनुमान मंदिर पर संगीतमय सुंदरकांड का पाठ एवं भव्य भंडारे का आयोजन मंगलवार को किया गया जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। जानकारी अनुसार गहमर गांव के पंचमुखी घाट स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पर जेष्ठ माह के अंतिम मंगलवार (बड़े मंगलवार) को क्षेत्र के विद्वान ब्राह्मणों द्वारा सुंदरकांड

का भक्ति मय पाठ किया गया जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस पूजन का शुभारंभ ग्राम प्रधान गहमर बलवंत सिंह बाला ने सपत्नीक शामिल होकर किया। संगीतमय सुंदरकांड के पाठ के बाद पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश सिंह ने आरती कर इस पूजन का समापन कराया । मौजूद लोगों को उद्बोधित करते हुए ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि सत्संग अर्थात ईश्वर के संग से जीवात्मा व मनुष्य को अनेक लाभ होते हैं। इससे आत्मा के दुगुर्ण, दुर्व्यसन और दुःख दूर होते हैं। आत्मा का ज्ञान निरन्तर बढ़ता जाता है। ईश्वर के सान्निध्य में रहने से दुःख दूर तो होते ही हैं, आनन्दस्वरूप ईश्वर के सान्निध्य में आनन्द की अनुभूति भी होती है।कार्यक्रम के अंत मे प्रसाद के रूप में भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे हजारों की संख्या में लोगो ने प्रशाद ग्रहण किया। इस अवसर पर विवस्वान उपाध्याय, गोपाल उपाध्याय, राकेश सिंह, प्रेम उपाध्याय, नारद उपाध्याय, भास्कर उपाध्याय, राज उपाध्याय आदि लोग मौजूद रहे।

एन्टी करप्शन कमेटी का 23 वाँ स्थापना दिवस हर्सोल्लास के साथ मनाया गया

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वार्ड नंबर- 59 रानीपुर, महमूरगंज में एन्टी करप्शन कमेटी के प्रदेश कार्यालय में 23 वा स्थापना दिवस हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शिवानी सिंह ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की । अतिथियों का स्वागत महेंद्र मौर्य ने माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर संस्था के मंडल अध्यक्ष अमरजीत सिंह का सम्मान स्मृति चिन्ह व माल्यार्पण कर किया गया।संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संस्था का उद्देश्य पीड़ित लोगों को उचित न्याय दिलाना है, साथ ही इस महामारी के दौर में संस्था लोगो को निःशुल्क भोजन सामग्री, दवा के साथ अन्य चीजें उपलब्ध कराती है।

पोस्टर के जरिये कोरोना योद्धाओं को दिया सम्मान

प्रखर गोरखपुर। पोस्टर के जरिये कोरोना योद्धाओं के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करने के लिए हुई प्रतियोगिता के विजेताओं को बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सम्मानित किया गया। यह प्रतियोगिता स्वयंसेवी संस्था पापुलेशन इंटरनेशनल सर्विसेज (पीएसआई) - द चैलेंज इनीशिएटिव ऑफ हेल्दी सिटीज (टीसीआईएचसी) ने किशोर-किशोरियों के बीच करायी थी, जिसमें 11 किशोर-किशोरियों ने भाग लिया था। वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से हुई डिजीटल प्रतियोगिता के विजेताओं को अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नंद कुमार ने प्रमाण पत्र देकर सराहा । प्रतियोगिता के अन्य प्रतिभागियों को भी प्रतिभागिता का प्रमाण पत्र दिया जाएगा । डॉ. नंद कुमार ने बताया कि संस्था ने स्वास्थ्यकर्मियों और अंग्रिम पंक्ति कार्यकताओं के सम्मान में किशोर-किशोरियों के बीच यह प्रतियोगिता आयोजित की थी । प्रतियोगिता में तुर्कमानपुर की किशोरी कीर्ति श्रीवास्तव को प्रथम स्थान, जटेपुर की कीर्ति कुमारी को दूसरा स्थान और शाहपुर के रवि सिंह को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ था। तीनों लोगों ने कोविड काल में कोरोना योद्धाओं की भूमिका को पोस्टर के जरिये प्रदर्शित किया था। संस्था द्वारा किशोर स्वास्थ्य के लिए शहरी क्षेत्र में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। कोविड काल में संस्था ने किशोरों के मानसिक संवर्धन के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया था, जो कि एक सराहनीय प्रयास रहा । इस अवसर पर मंडलीय अर्बन कोआर्डिनेटर प्रीति संह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक पंकज आनंद, शहरी समन्वयक सुरेश सिंह चौहान, किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अर्चना कुमारी, एफ पी एल एम आई एस मैनेजर अवनीशचंद्र, आशा कार्यकर्ता अनिता श्रीवास्तव, पीएसआई-टीसीआईएचसी संस्था के प्रतिनिधि केवल सिंह सिसौदिया, प्रियंका सिंह, रेखाशर्मा और सुशील श्रीवास्तव प्रमुख तौर पर मौजूद रहे।

कोविड को महिषासुर का रूप दिया- पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाली कीर्ति सिंह ने महिला कोरोना योद्धा को दुर्गास्वरूप दिखाते हुए कोविड को महिषासुर के तौर पर प्रदर्शित किया और उसका वध करवाया है। दूसरा स्थान पाने वाली कीर्ति कुमारी ने पोस्टर के जरिये कोविड उपयुक्त व्यवहार पर प्रकाश डाला है। तीसरा स्थान पाने वाले रवि सिंह ने कोरोना योद्धाओं की भूमिका को पोस्टर के जरिये उकेरा है। कुल 11 पोस्टर वाट्सएप ग्रुप में आए थे, जिनमें से निर्णायक मंडल ने तीन सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का चुनाव किया था।

स्वर्गीय श्री डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। नगर के प्रमुख स्थानों पर आज दिनांक 23 जून 2021 दिन बुधवार समय सुबह 2:00 बजे महानगर कार्यसमिति सदस्य विमलेश सिंह के आवास पर आज के दिन को स्वर्गीय श्री डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने कहा भारत के संविधान में धारा 370 को एक अस्थाई प्रावधान ग्रुप में रखा गया था एक राष्ट्र के इतिहास में विरले ही ऐसे छोड़ आते हैं जब अदभुत निर्णय से उसका प्रारंभ निर्मित हो जाता है ऐसे निर्णयों से इतिहास की धारा मुड़ जाती है धारा 370 और 35अ की समाप्ति पर जम्मू कश्मीर का पुनर्गठन भारत के इतिहास में वैसा ही एक अदभुत निर्णय माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं गृह मंत्री माननीय अमित शाह जी के निर्णय से भारतीय जनता पार्टी के पथ प्रदर्शक स्वर्गीय श्री डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को न केवल एक सिद्धांत सच्ची श्रद्धांजलि है अपितु जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए खुशहाली का नया रास्ता लेकर आया कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सभासद वरिष्ठ भाजपा नेता नँद लाल चौहान थे कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह विमलेश सिंह सुरेश बहादुर सिंह रितेश पाल गौतम हरिशंकर सिंह राजकुमार सिंह धीरेंद्र प्रताप सिंह सोनू यादव महेश यादव विनोद पटेल प्रमुख रूप से थे।

जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है

प्रखर संतकबीरनगर। भारत माता के अमर सपूत "डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी" के बलिदान दिवस पर सादर श्रद्धांजलि!!6 जुलाई 1901 को कलकत्ता के अत्यन्त प्रतिष्ठित परिवार में डॉ॰ श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी का जन्म हुआ। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे एवं शिक्षाविद् के रूप में विख्यात थे। 33 वर्ष की अल्पायु में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने। इस पद पर नियुक्ति पाने वाले वे सबसे कम आयु के कुलपति थे। डॉ॰ मुखर्जी इस धारणा के प्रबल समर्थक थे कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं। गंगा जमुनी तहजीब और सेकुलरिज्म राजनीतिक छल छद्म है। मजहब के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे। वे मानते थे कि विभाजन सम्बन्धी उत्पन्न हुई परिस्थिति ऐतिहासिक और सामाजिक कारणों से थी। वे मानते थे कि आधारभूत सत्य यह है कि हम सब एक हैं। हममें कोई अन्तर नहीं है। हम सब एक ही रक्त के हैं। एक ही भाषा,

एक ही संस्कृति और एक ही हमारी विरासत है।गान्धी जी और सरदार पटेल के अनुरोध पर वे भारत के पहले मन्त्रिमण्डल में शामिल हुए। उन्हें वाणिज्य और उद्योग जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गयी। संविधान सभा और प्रान्तीय संसद के सदस्य और केन्द्रीय मन्त्री के नाते उन्होंने शीघ्र ही अपना विशिष्ट स्थान बना लिया। किन्तु उनके राष्ट्रवादी चिन्तन के कारण अन्य नेताओं से मतभेद बराबर बने रहे। फलतः राष्ट्रीय हितों की प्रतिबद्धता को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानने के कारण उन्होंने मन्त्रिमण्डल से त्यागपत्र दे दिया। विचारधारा के लिए आत्मा की आवाज पर राजनीति में जहां एक ओर उन्हें सब कुछ प्राप्त था उसे ठोकर मारकर भारतीय जनसंघ नाम से एक नई पार्टी बनायी जो उस समय विरोधी पक्ष के रूप में सबसे बड़ा दल था। तत्कालीन सरसंघचालक श्री गुरु जी से विचार-विमर्श कर के पं दीनदयाल उपाध्याय , नानाजी देशमुख,अटल बिहारी वाजपेई , सुंदर सिंह भंडारी जैसे अनेक संघ के कार्यकताओं के साथ अक्टूबर 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ।

घायल युवक की मौत पर जांच करने पहुचे पुलिस से उलझे परिजन, हुआ लाठीचार्ज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव में दो दिन पूर्व आबादी की जमीन को लेकर पड़ोसियों से हुए विवाद में लाठी व रॉड से घायल युवक की बुधवार को ट्रामा सेंटर में मौत होने व जांच करने पहुची पुलिस से जमकर झड़प हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। बताया जाता है कि बसंतपुर निवासी बलिराम शर्मा के पुत्र को अश्वनी शर्मा 26 वर्ष को 21 जून को दोपहर ढाई बजे के लगभग लाठी व रॉड से मारकर बुरी तरह घायल कर दिया गया था। उसे गंभीरावस्था में बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था। जहाँ बुधवार को सुबह 10 बजे मौत हो गई। उसके बाद दोपहर 12 बजे के लगभग सिंधोरा पुलिस मृतक के घर जांच पड़ताल करने पहुची। इस दौरान घटना से आहत

परिजनों ने पुलिस के ऊपर लापरवाही बरतने व घटना के बाद त्वरित कार्यवाही व हल्की धारा में मुकदमा दर्ज करने का आरोप लगाते हुए चले जाने को कहा। इसी बात को लेकर तू तू मैं मैं के साथ गली गलौज भी होने लगी। इसी बीच मौके पर पहुची पुलिस ने सिंधोरा थाने से और फोर्स बुला ली। उसके बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। जिसपर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। जिसमें कई ग्रामीण चोटिल हो गए। वही युवक की मौत से जहा एक तरफ मातम दिखा तो दूसरी तरफ पुलिसिया कार्यवाही के प्रति आक्रोश दिखा। इंस्पेक्टर सिंधोरा रमेश यादव ने लाठीचार्ज की घटना से इनकार किया और ग्रामीणों के ऊपर ही पुलिस के साथ बदसलूकी का आरोप लगाया। पुलिस के मुताबिक तीन लोगों के खिलाफ 323, 504 व 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

महिला विधायक लीना तिवारी ने उड़ाई भाजपा विधायकों की नींद

प्रखर जौनपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र में अपना दल एस का रिकार्ड भी अच्छा रहा है। जिले में सात सीटे अपना दल एस ने जीती है। पार्टी से विधायक डॉ. लीना तिवारी जो मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र से है। ऐसे में पार्टी के प्रत्यशियों को जीत हासिल कराने में काफी योगदान भी माना जा रहा है। अपना दल की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने गत दिनों दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर जिला पंचायत अध्यक्ष की दो सीट मांगी थी। जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में भाजपा के सहयोगी अपना दल (एस) को जौनपुर और मिजार्पुर जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट मिल सकती है। केंद्रीय नेतृत्व की हरी झंडी के बाद प्रदेश भाजपा ने अपना दल को दो सीट देने का निर्णय किया है। अपना दल (एस) के युवा मंच के प्रदेश सचिव सात्विक तिवारी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के अनुसार अपना दलजिला पंचायत अध्यक्ष पद पर बैठेगा मड़ियाहूं क्षेत्र से सबसे अधिक संख्या में पार्टी के सदस्य है ऐसे में इस बार तो जिला पंचायत अध्यक्ष का ताज अपना दल भाजपा गठबंधन प्रत्याशी ही शोभा बढ़ाएगा। जिला पंचायत सदस्य के चुनाव में विधायक लीना तिवारी अन्य सभी पार्टी के विधायकों पर भारी पड़ी। विधानसभा क्षेत्रों के मुकाबले उनके क्षेत्र में जीत उनकी पार्टी के ज्यादा संख्या में सदस्य जीत हासिल की।

सरकार के गड्ढा मुक्त जर्जर सड़कों की पोल खोलता सेमरियावां केशवापुर मार्ग

प्रखर संतकबीरनगर। बरसात में शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों की सड़कें जर्जर हो गईं हैं। इन पर पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। इन सड़कों पर जलनिकासी की व्यवस्था ठप होने से जलभराव हो गया। पूरा मामला सेमरियावा विकासखंड क्षेत्र के इस्लामाबाद चौराहे का है जहां पर विगत कई वर्षों से सड़क की मरम्मत कार्य ना होने से गड्ढे हो गए है। इन सड़कों से निकलने पर हादसे की आशंका बनी हुई है। इतना ही नहीं सड़क पर जल जमाव की स्थिति होने के कारण आए दिन जाम की समस्या बनी रहती है।और बरसात से इनकी हालत और खस्ता हो गई है। जलनिकासी न होने से पानी सड़क पर भर गया है। इस पानी के बीच से होकर आवागमन होता है। सड़कों में गड्ढे हो गए हैं। पर पानी भरा होने से ये दिखाई नहीं देते हैं। इससे राहगीर आये दिन गिरकर घायल हो रहे हैं। स्थानीय निवासी रिजवान मुनीर ने कहा कि सेमरियावां से केशवापुर जाने वाली सड़क बरसात का पानी रुकने के कारण सड़क की हालात खराब हो गई।

पिंडरा में जल्द शुरू होगा ग्राम न्यायालय- जिला जज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील में बने भवन में जल्द ही ग्राम न्यायालय शुरू होगा। जिससे आम ग्रामीणों को छोटे विवाद यही हल हो जाएंगे। उन्हें दीवानी न्यायालय का चक्कर नही काटना पड़ेगा। उक्त बातें जिला जज ने निरीक्षण पश्चात कही। जिला जज ओमप्रकाश त्रिपाठी ने बुधवार को पिंडरा तहसील परिसर में बने अस्थाई ग्राम न्यायालय के भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दीवारों व छतों पर नमी (सीलन) मिलने पर इंजीनियर को दुरुस्त करने तथा साफ सफाई और बेहतर करने का निर्देश दिए। जिला जज दोपहर पौने दो बजे के लगभग तहसील पिंडरा पहुचे। तहसील पहुचने पर एसडीएम गिरीश कुमार द्विवेदी ने उनका स्वागत किया। उसके बाद जिला जज ने मुख्य प्रशासनिक भवन के पीछे पूर्व में तहसील कार्य के लिए बने तीन कक्षीय भवन को अस्थाई ग्राम न्यायालय भवन का निरीक्षण किया। आधे घंटे तक चले निरीक्षण के दौरान कोर्ट, विश्राम कक्ष, कार्यालय कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान दीवारों पर नमी देख मौके पर इंजीनियर को उसे

ठीक करने तथा छत को जमी घास को भी हटाने का निर्देश दिये। इस दौरान बार अध्यक्ष जवाहर लाल वर्मा व महामंत्री कमलकांत राय से तहसील के समस्या के बाबत पूछी। जिसपर उन्होंने मुंसफ मजिस्ट्रेट न्यायालय के स्थापना की मांग की। वही पूर्व बार अध्यक्ष शिवपूजन सिंह ने तहसील के बगल में ही चिन्हित ग्राम न्यायालय की जमीन के अधिग्रहण की प्रकिया शुरू करने की मांग की। वही निरीक्षण पश्चात बताया कि ग्राम न्यायालय जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज रिपोर्ट उच्च न्यायालय को भेज दी जाएगी और फर्नीचर की व्यवस्था होते ही न्यायालय कार्य करना शुरू हो जाएगा। बताते चलें कि पिंडरा तहसील में ग्राम न्यायालय शुरू होने की कवायद सन 2016 से चल रही है लेकिन अभी तक शुरू नही हो पाया। वही निरीक्षण के दौरान एडीजे प्रथम राजेन्द्र कुमार तिवारी, एसडीएम गिरीश कुमार द्विवेदी, एसडीएम न्यायिक मनोज पाठक,तहसीलदार रामनाथ, नायब तहसील साक्षी राय कोर्ट मैनेजर अश्वनी आनन्द व केंद्रीय नाजिर प्रशासनिक अरविंद सिंह समेत अनेक अधिकारी व वकील उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा पडरौना विधानसभा में नई चीनी मिल लगाई जाने की मांग की निंदा व लक्ष्मीगंज, पडरौना सहित सभी बन्द चीनी मिलों को अविलंब चलाने की माँग: रामचन्द्र सिंह

प्रखर कुशीनगर। बताते चलें कि जनपद कुशीनगर की पांच चीनी मिलें (लक्ष्मीगंज, रामकोला (खेतान), पडरौना, कटकुइयाँ और छितौनी और प्रदेश की बुढ़वल सहित कई चीनी मिलों को साजिशन वर्षों से बन्द कर दिया गया जिसे चलवाने के लिये वेटरनस एशोसिएशन (किसान मोर्चा) (पूर्व सैनिक संगठन भारत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भारतीय किसान यूनियन (अ) के जिलाध्यक्ष, कुशीनगर - रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में 2017 से लगातार केंद्र और राज्य सरकार से पत्र लिखकर तथा धरने व प्रदर्शन के माध्यम से माँग की जा रही है और इसी सन्दर्भ में प्राथमिकता के आधार पर लक्ष्मीगंज व अन्य सभी बन्द चीनी मिलों को पुनः चलवाने की माँग से सम्बन्धित एक ज्ञापन दिनांक 25 फरवरी 2019 को प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य को भी दिया गया था जिस पर आज तक उनके द्वारा कोई सकारात्मक पहल करने के स्थान पर अब साजिशन पड़रौना विधानसभा में नई चीनी मिल लगाने का पत्र लिखकर किसानों व मजदूरों द्वारा बन्द चीनी मिलों को चलाने के लिए चलाए जा रहे आन्दोलन को कमजोर करने का घिनौना खेल खेला जा रहा है। आज हमें समाचार के माध्यम से विदित हुआ है कि, कैबिनेट मंत्री- श्री मौर्य जी 'पडरौना विधान-सभा' में एक नया चीनी लगवाने के लिये मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर माँग किये है जिसका मैं कड़े शब्दों में बार-बार पुरजोर विरोध करते हुए निन्दा करता हूँ तथा उनसे आग्रह करता हूँ कि, अभी भी समय है, किसानों और मजदूरों के साथ खड़े होकर लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल के साथ साथ जनपद की अन्य बन्द पड़ी चीनी मिलों को 15 अगस्त 2021 तक चलवाने हेतु सकारात्मक पहल करें, क्योकि चीनी मिलें बन्द हो जाने के वजह से जनपद- कुशीनगर का किसान अपने गन्ने को लेकर मारा-मारा फिर रहा है। चीनी मिलें संचालित हो जाएगी तो जनपद के बेरोजगार, नौजवानों को रोजगार मिल सकेगा तथा साथ ही साथ किसान के बकाये का भुगतान हो जायेगा और गन्ने की पेराई के साथ किसान भी खुशहाल हो जाएगा। ज्ञातव्य हो कि, 2019 में पडरौना के सांसद- श्री विजय कुमार दूबे जी ने भी जनपद कुशीनगर में एक नया चीनी मिल लगवाने की माँग लोकसभा में की थी जिसका विरोध भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने किया था और सांसद को अपनी माँग को वापस लेते हुए लोकसभा में बोलना पड़ा की "चुकी लक्ष्मीगंज और छितौनी बन्द चीनी मिल के ऊपर कोई मुकदमा नही है" इस लिये दोनों बन्द चीनी मिल को चलवाया जाय। मैं विशेषरूप से कुशीनगर जनपद के सम्मानित नेतागण से बड़े ही आदर के साथ पुनः और पुनः आग्रह करना चाहता हूँ कि, जनपद की चीनी मिलों को पहले घाटा दिखाकर बन्द किए गए और उसे जर्जर बनाकर बेचने और नया चीनी लगवाने में कमीशनखोरी जैसे जनता के धन के लूट का खेल खेलने से बचें और सबसे पहले जनपद कुशीनगर की लक्ष्मीगंज, पडरौना व अन्य सभी बन्द चीनी मिलों को पुनः चलवाने के लिए वेटरनस एसोशिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष (किसान मोर्चा) व भाकियू (अ) के जिलाध्यक्ष, कुशीनगर- रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में किसानों, गरीबों व मजदूरों द्वारा चलाये जा रहे आन्दोलन को कमजोर करने का घिनौना खेल खेलना बन्द करें और बन्द चीनी मिलों को अविलंब चलवाने हेतु सकारात्मक पहल कर आन्दोलन को सफल करें।

बार व बेंच के सहयोग से वादकारियों को मिलेगा न्याय- एसडीएम

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील के नवागत एसडीएम गिरीश कुमार द्विवेदी व एसडीएम न्यायिक मनोज पाठक ने बुधवार को तहसील बार एसोसिएशन पिंडरा के वकीलों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना और बार के सहयोग की अपेक्षा की। एसडीएम द्वय ने कहाकि बार व बेंच के सहयोग से ही वादकारियों को त्वरित व सही न्याय मिलना संभव है। उन्होंने वकीलों से भी मुकदमे के निस्तारण में सक्रियता बरतने की अपील की। इस दौरान बार अध्यक्ष जवाहर लाल वर्मा, महामंत्री कमलकांत राय, प्रितराज माथुर, विजय कुमार सिंह, राजेश सिंह, रामभरत यादव, शैलेन्द्र सिंह मीनू, रमेश यादव, उमेश सिंह, राजू सिंह समेत अनेक अधिवक्ता रहे। एसडीएम ने किया पटल का निरीक्षण नवागत एसडीएम गिरीश कुमार द्विवेदी व एसडीएम न्यायिक मनोज पाठक ने बुधवार को सायंकाल में तहसील के विभिन्न पटलो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों के अद्यतन न होने पर संबंधित कर्मचारियों को डांट पिलाई। वही कम्प्यूटर कक्ष में दाखिल खारिज होने के बाद भी समय से कम्प्यूटरकृत खतौनी में

कई लोगों के नाम न चढ़ने पर प्रभारी को डांट पिलाई। वही शिकायत प्रकोष्ठ के अभिलेखों के साथ रिकार्ड रूम को देखा। उन्होंने कर्मचारियों से अभिलेखों को पूर्ण रखने के साथ समयबद्ध तरीके से काम करने की नसीहत दी। इस दौरान तहसीलदार रामनाथ, नायब तहसीलदार साक्षी राय, प्रदीप मौर्य समेत अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

अलीगढ़ के जिलाध्यक्ष तपन शर्मा ने दी गयी श्रद्धांजलि

प्रखर कसया, कुशीनगर।अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति अलीगढ़ के जिलाध्यक्ष तपन शर्मा के निधन पर फाजिलनगर में शोक सभा आयोजित कर पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह के निर्देशन में आयोजित शोक सभा में पत्रकारों ने स्व. तपन शर्मा के व्यक्तित्व, कृतित्व की चर्चा करते हुए उन्हें कलम का सच्चा सिपाही बताया। जिन्होंने सरकार व जनता के बीच सेतु का काम किया। जिलाध्यक्ष कुशीनगर हृदया नन्द शर्मा ने स्व. शर्मा से को सच्चा मित्र बताया और कहा कि उनका निधन पत्रकारिता जगत की अपूरणीय क्षति है। जिलाउपाध्यक्ष कुशीनगर विजय कुमार राव ने कहा कि स्व. शर्मा सदा पत्रकार हितों को लेकर आवाज बुलंद करते रहते थे। सभी पत्रकारों ने दो मिनट मौन रख अध्यक्षता तहसील उपाध्यक्ष आशुतोष श्रीवास्तव व संचालन जिलाउपाध्यक्ष विजय कुमार राव ने किया। शोक सभा में तहसील महामन्त्री अशोक दत्त पाण्डेय, श्याम बदन, अंशुमान सिंह, विकास श्रीवास्तव, आंनद सिंह, जेपी सिंह आदि मौजूद रहे।

बलिदान दिवस पर याद किए गए डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी

प्रखर जखनिया गाजीपुर। विधानसभा के उत्तरी मंडल के इंद्रदेव रामनवल बनाफर महाविद्यालय डहरमौवा में डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस के अवसर पर मंडल के प्रमुख नेताओं के साथ उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर देश की एकता अखंडता के लिये उनके बलिदान को याद किया गया तथा बृजेन्द्र राय पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा के नेतृत्व में उनके बलिदान दिवस 23 जून से प्रारम्भ होकर 6 जुलाई उनके जन्मजयंती तक चलने वाले वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया तथा उपस्थित लोगों को श्री बृजेन्द्र राय पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा द्वारा संबोधित किया गया । बृजेन्द्र राय ने डॉ मुखर्जी जी का बलिदान और देश के लिये उनके योगदान को विस्तार से बताया। इस अवसर पर श्री रामाश्रय मिश्र, फैयाज अहमद, अशोक पांडेय, दिनेश सिंह, प्रदीप राय, प्रदीप गोड, सुशील सिंह, राजू गुप्ता, संतोष कुशवाहा, संजय श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संदीप सिंह सोनू एवं संचालन मंडल महामंत्री कुंदन सिंह ने किया।

ग्यारह पौधे लगाकर मनाया बच्चे का जन्मदिन

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर । क्षेत्र के दिलावलपट्टी (बद्धुपुर) में अमय सिंह पुत्र सत्येन्द्र सिंह के प्रथम जन्मदिन के मौके पर अपने आवास पर बच्चे द्वारा 11 पौधों का रोपड़ कराकर जन्म दिन मनाया गया । जन्मदिन पर पर्यावरण प्रेमी ब्रज भूषण दुबे ने परिजनों को सुझाव देते हुए पौधरोपण के लिए प्रेरित किया । उन्होंने बच्चे के पिता को यह कहकर प्रेरित किया कि आज दिन प्रतिदिन ऑक्सीजन की कमी हमारे पर्यावरण में हो रही है और पौधों को लगाकर ही हम उसकी कमी को पूरा कर सकते हैं , पर्यावरण में पर्याप्त आक्सीजन उत्पन्न करने के लिए सभी लोगों को किसी न किसी विशेष मौके जैसे शादी विवाह जन्मदिन वैवाहिक वर्षगांठ आदि पर पौधरोपण कर उसे बडा होने तक पौधे के सुरक्षा का संकल्प लेना होगा तभी हमारा पर्यावरण सुरक्षित हो पायेगा। बिरनो ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी राजन सिंह ने कहा कि पिछले साल की तरह इस साल भी हमारे माध्यम से पांच सौ पौधरोपण कराया जायेगा ।मौकेपर ब्रजभूषण दुबे, राजेंद्र सिंह, राजेश सिंह ,साहब सिंह, दिनेश भट्ट ,तेज प्रताप सिंह ,भरत सिंह, ब्लाक प्रमुख मनिहारी जोगिंदर सिंह , संजय सिंह सहित आदि लोग मौजूद रहे।

दो बाइक चोर गिरफ्तार

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत पुलिस को एक सफलता तब हाथ लगी जब छितौना रेलवे क्रासिंग पर गस्त के दौरान दो अभियुक्त आशीष कुमार यादव पुत्र रामचरित्तर यादव नि० सिहौली थाना केराकत जनपद जौनपुर व सौरभ यादव पुत्र छोटेलाल यादव नि० ग्राम सिंहौली थाना केराकत जौनपुर को चोरी की दो अदद मो0सा0 सुपर स्पलेण्डर व स्पलेण्डर प्लस के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मु०अ०सं० 170/21 धारा 411/413 बनाम आशीष कुमार यादव व सौरभ यादव उपरोक्त के पंजीकृत कर चालान माननीय न्यायालय किया गया।गिरफ्तार करने वाली टीम में प्र०नि० त्रिवेणी लाल सेन प्र0नि0 थाना केराकत जनपद जौनपुर, उ0नि0 राजनरायन चौरसिया चौकी प्रभारी सर्की थाना केराकत जौनपुर,उ0नि0 अजय कुमार शर्मा थाना केराकत जौनपुर, हे0का0 तेजबहादुर सिंह थाना केराकत जनपद जौनपुर, हे0का0 संतोष गिरी थाना केराकत जनपद जौनपुर, का0 बाबू लाल थाना केराकत जनपद जौनपुर,का0 पुष्पेन्द्र वर्मा थाना केराकत जौनपुर रहें।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं